# हरियाणा विधान सभा

# की

# कार्यवाही

## 2 मार्च, 1987

### खण्ड 1, अंक 4

### अधिकृत विवरण

### विशय सूची

### सोमवार, 2 मार्च, 1987

पृश्ठ संख्या


| | |
|---|---|
| तारांकित प्र न एवं उतर | (4)1 |
| वर्श 1987–88 का बजट पे ा करना | (4)28 |

# हरियाणा विधान सभा

## सोमवार, 2 मार्च, 1987

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

## तारांकित प्र न एवं उतर

**श्री अध्यक्षः** आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होगे।

**Issuance of permits to Unemployed Youths for plying Mini-Buses**

***1230 Seth Ram Dass Dhamija:** Will the Minister for Transport be pleased to state wheth there is any proposal under consideration of the Government to issue permits to the Unemployed Youth for plying Mini-Buses in the state; if so the time by which a decision in the matter is likely to be taken?

**Transport Minister (Shri Amar Singh):** No, Sir,

**सेठ राम दास धमीजाः** स्पीकर साहब, आज के दिन हरियाणा में बहुत बेरोजगारी फैली हुई है। यदि लोगों को काम मिल जायेगा तो वे गलत धन्धे नही करेंगे क्योंकि जब लोगों को करने को कोई काम नही होता तो वे वे फिर इधर–उधर बेकार से घूमते रहते है और गलत काम करने लग जाते है। इसलिए यदि सरकार मिनी बस परमिट नही दे सकती तो कम से कम थ्री व्हीलर

के ही लोगों को परमीट जारी कर दे ताकि उनको रोजगार तो मिल सके। क्या ऐसा कोई मामला सरकार के विचाराधीन है?

**श्री अमर सिंहः** स्पीकर साहब, सरकार के विचाराधीन ऐसा कोई मामला नही है। हमारे प्रदे ा की ने ानेलाईजे ान है और सारे हिन्दुस्तान ने ट्रासपोर्ट की सबसे अच्छी सर्विस हरियाणा की ही है। जहां तक बरोजगारी को दूर करने की बात है, सरकार ने बेरोजगारी को दूर करने के लिए कई स्कीमों चलाई हुई है। इण्डस्ट्रीज डिपार्टमैंट और दूसरे डिपार्टमैंट ने अनऐम्पलयमैंट को समाप्त करने के लिए कई स्कीमें चलाई हुई है। जिन लोगों को ये रोजगार दिलाना चाहते है, उनकी ऐप्लीके ान्ज इन विभागों में दिलवाए उनकी काम मिलेगा।

**श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने तो मैन सवाल का जवाब न में दिया है। मैने इसी सिलसिले में एक सवाल इससे पहले सै ान मे किया था कि जिन लोगों ने बैकों से लोन लेकर थ्री व्हीलर यादि खरीदे हुए है और सरकार ने जिनको भाुरू में परमिट इ ा किए थे, उनके परमिट जारी रखे जायें। अब सरकार ने अपना फैसला बदल दिया है जिसके कारण बहुत सारे लोग परे ाान हुए फिर रहे है और उनके ऊपर बैकों से लिये गए ऋण का ब्याज भी पड़ रहा है। मुझे ठीक फिगर्ज का तो पता नही लेकिन स्टेट मे सैकड़ों की तादाद में ऐसे लोग होगें जिन को पहले परमिट दिए गए थे। मै सरकार से सिर्फ इतना जानना

चाहता हूं कि जिन लोगों को पहले परमीट जारी किए गए थे, क्या उनका कोई रूट मुहैया किया जायेगा।

**श्री अमर सिंहः** यह ठीक है कि कुछ साल पहले फोर ब्हीलर के लिए कुछ लोगों को परमीट इ ा किए गए थे लेकिन थ्री व्हीलर के लिए कोई परमीट जारी नही किया गया था। फोर व्हीलर में 5–6 सवारियों को बैठाने के लिए परमिट होता है लेकिन ये 5–6 सवारियों को बैठाने की बजाये उसमें 35–40 सवारियों को बैठा लेते थे जिनकी वजह से इनके आए दिन ऐक्सीडैन्टस होते रहते थे। सरकार के नोटिस में ऐसे काफी केसिस आए है। इस बात को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह सिलसिला बिल्कुल बंद कर दिया है।

**चौधरी साहब सिंह सैनीः** धमीजा साहब ने ठीक प्र ान किया था कि बेरोजगारी की वजह से काफी यूथ बेकार में इधर–उधर घूमते रहते है। देहात के ऐसे काफी रूटस है जहा पर बसें नही चलतीं। यदि उन रूटस पर इन बेकार नौजवानों को परमीट दे दिया जाये तो बेकारी भी दूर हो सकेगी और लोगों को भी आने–जाने में दिक्कत नही होगी। क्या ऐसी किसी प्रोपोजल पर सरकार गैर करेंगी?

**श्री अमर सिंहः** ऐसी काई प्रोपोजल सरकार के विचारधीन नहीं है। सरकार अपनी तरफ से 100 प्रति ात

कोि ा ा करती है कि देहात का कोई लिंक रोड या ऐप्रोच रोड बिना सर्विस के न रह जाये।

**श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः** स्पीकर साहब, थ्री व्हीलर को भी सरकार की तरफ से परमीट इ ू हुए है। मेरे सकेते जिले में भी कम से कम ऐसा 14–15 परमिट इ ू हुए थे। अब ये बता रहे है कि ऐसे परमिट देने की इसकी पालिसी नही है। आज वे लोग यू ही उनकी चलाये फिर रहे है। पिछले सै ान में कर्नल साहब ने आ वासन दिया था कि सैकड़ों की तादाद में जिन लोगों ने बैकों से लोन लेकर ये थ्री व्हीलर लिए हुए है, उनके लिए कोई व्यवस्था करेंगे। अब मंत्री जी ऐसे परमिट जारी करने से मना कर रहे है। क्या मंत्री जी पहले दिए हुए आ वासन को ध्यान में रखेंगे, क्योंकि यह बेरोजगारी को दूर करने में भी सहायक होगा और दूसरे जनहित में भी होगा?

**श्री अमर सिंहः** स्पीकर साहब, पहले ही यहां पर एक सवाल के जवाब में बताया जा चुका है कि हमने हरिजन कल्याण निगम, बैकवर्ड क्लासिज कल्याण निगम, इकौनोमीकली बीकर कलासिज कल्याण निगम और राज्य सैनिक बोर्ड से पूछा है कि उन्होने कितने–कितने लोगों को टैम्पी आदि खरीदने के लिए लोग दिया है। हमने उनको रिमाइन्डर भी दिया है, लेकिन अभी तक हमारे पास कोई सूचना नही भाई है। जब सूचना था जायेगी तो इस पर विचार करेंगे।

**श्री बनारसी दास बाल्मीकिः** स्पीकर साहब, हजारों की तादाद में थ्री व्हीलर चल रहे है। वे सरकार को टोकन टैक्स आदि भी रहे है। यदि उन लोगों की परमीट जारी कर दिए जाए तो बेरोजगारी भी दूर होगी और सरकार को भी फायदा होगा। जिन हरिजन भाइयों न या दूसरे लोगों ने लोन से थ्री ब्हीलर लिया हुआ है, क्या उनको सरकार परमिट इ I करेंगी?

**श्री अध्यक्षः** इस का जवाब तो पहले ही दिया जा चुका है।

**श्री भले रामः** स्पीकर साहब, मै मंत्री जी की इस बात से सहमत नहीं हूं कि हरेक रूट पर बसिज जाती है। कई सड़कों पर तो बिल्कुल भी नही जाती। कई स्थानो पर तो बस दिन में सिर्फ एक ही चक्कर लगाती है जिसके कारण रास्ते में पड़ने वाले लोगों की काफी परे ाानी का सामना करना पड़ता है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जहां पर बसिज नही चलती, क्या वहां पर ऐसे परमिट जारी करने पर विचार करैंगे?

**श्री अमर सिंहः** स्पीकर साहब, बस का एक किलोमीटर पर 3 रूपये 10 पैसे खर्च आता है। जिन रूटों पर हमें एक किलोमीटर पर 2 रूपये भी मिल रहे है, वहां पर भी हम बसे चला रहे है। जहां से लोगों की बस चलाने की डिमांड आती है, उसको हम पूरा करते है। यह ठीक है कि सभी जगह 8–10 टाइम डेली

नही दिए जाते। हम रसीट के मुताबिक पूरी सर्विस दे रहे है। ये हमें बतायें कि कहां पर बसें नही चल रही, हम वहां भजेंगे।

**श्री अध्यक्षः** आपकी यह बात ठीक है कि कुछ सड़को पर आपको पूरा किराया नही मिलता। जब हम जी0 एम0 से किसी रूट बस भेजने के लिए कहते हैं तो वे हमें बताते है कि यह वाए बेल नही बनता, इसलिए नही भेज रहे। जहां पर आपको पूरा किराया नही मिलता क्या वहां पर भी आप कुछ इंतजाम करेंगे?

**श्री अमर सिंहः** बिल्कुल करेगें। जहां हमारा किराया पूरा नही होता और लोगों की डिमांड बहुत जरूरी है वहां पर लोगों की मांग को हम अव य मीट करने की को ि ा ा करेंगे।

**सेठ राम दास धमीजाः** हरियाणा के बौर्डर पर राजस्थान के लोगों की काफी प्राईवेट बसिज चलती हैं। क्या उनकी बजाये हरियाणा वालों की परमीट इ ू करेंगे?

**श्री अमर सिंहः** वे राजस्थान के बोर्डर पर चलती होगी। हरियाणा में किसी प्राईवेट बस को बगैर परमीट के चलने की इजाजत नही दी जायेगी।

**Construction of New Building of Community Health Centre at Barwala**

***1244. Chaudhri Inder Singh Nain:** Will the Minister for Health & Ayurveada be pleased to refer to the reply to starred question No. 1122 answered on the floor of the House on 27.2.1986, and state-

(a) whether there is any proposeal under consideration of the Government to construct new building for Community Health Centre at Barwala (Hissar): and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to materialize together with the estimated cost ther of?

**स्वारथ्य मंत्री** (श्री गोबर्धन दास चौहान):

(क) जी, हां।

(ख) अतिरिक्त भवन की वर्तमान अनुमानित लागत 7.64 लाख रूपये है। परन्तु भवन का पूर्ण होना जमीन तथा धन की उपलब्धि पर निर्भर करेंगा।

**चौधरी इन्द्र सिंह नैनः** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मेरे इस सवाल के बारे में मंत्री जी ने पहले भी आ वासन दिया था कि यह बिल्डिंग बनाई जायेगी। इस आ वासन को दिए हुए एक साल होने जा रहा है। मै आपको द्वारा मंत्री मंत्री जी से रिक्वैस्ट करूंगा कि इस बिल्डिंग को जल्दी से जल्दी बनाया जाये। मै आपके द्वारा साथ ही साथ वित्त मंत्री जी से भी प्रर्थाना करूंगा कि आज वे चूंकि बजट पे ा कर रहे है, इसलिए वे इस बिल्डिंग के लिए अव य पैसा रखें ताकि यह बिल्डिंग जल्दी से जल्दी बनाई जा सके।

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** पैसा मिलते ही भीघ्र काम भाुरू करवा दिया जायेगा।

**श्री केवल सिंहः** स्पीकर साहब, बरवाला से हिसार 30 किलोमीटर की दूरी पर पड़ता है। उससे आगे चल कर हांसी भाहर आता है। बरवाला, हिसार और हांसी तीनों ट्रायंगल पर स्थित है। इन तीनों के बीच कोई पी0 एच0 सी0 नही है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वे इन तीनों स्थानों में से किसी उचित जगह पर एक पी0 एच0 सी0 जरूर खोलें।

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** यह ठीक है कि इन तीनों भाहरों के बीच कोई पी0 एच0 सी0 नी हैं लेकिन पी0 एच0 सी0 खोलने के कुछ नार्म्ज फिक्स किए गए हुए है इस इलाके की तरफ स अभी तक कोई पी0 एच0 सी0 खोलने की मांग नही आई। हिसार से काफी बड़ा हस्पताल है और हांसी में भी बड़ा हस्पताल है। इसके अलावा हमने इन तीनों जगहों के बीच में कुछ हैल्थ सब सैन्टर खोले हुए है। जब कभी लोगों की तरफ से मांग आयेगी तो उस समय इन तीनों स्थानों के बीच कोई पी0 एच0 सी0 खोलने पर विचार किया जा सकता है।

**चौधरी कुन्दन लालः** अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान के दौरान मंत्री जी ने हाउस मे प्रत्येक सब–डिविजन पर पोस्ट–मौर्टस की सुविधा देने का आ वासन दिया था जो अभी तक पूरा नही हुआ है। ऐक्सीडैन्टस या कत्ल में जिन लोगों की डैथ हो जाती है उनका दो–दो दिन तक पोस्ट–मोर्टस नही होता जिसके कारण ला ों काफी सड़ जाती है और गार्मियों के दिनों में तो और भी

बुरा हालत हो जाती है। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंग कि क्या प्रत्येक सब–डिविजन पर पोस्ट मोर्टम की सुविधा दिए जाने के आ वासन को पूरा करेंगे?

**श्री गोवधन दास चौहानः** स्पीकर साहब, जिस सब–डिविजनल हैडकवार्टर पर 30 बिस्तरों वाला हस्पताल है। वहा हम यह सुविधा देने जा रहे हैं और पोस्टमौंर्टम रूम बनाये जाएगें।

**चौधरी साहब सिंह सैनीः** स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अभी हिसार के बारे मे जवाब दिया हैं। मै इनसे कुरूक्षेत्र के बारे मे एक सवाल पूछना चाहूंगा। कुरूक्षेत्र मे हस्पताल है। प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज रादौर, राम ारण माजरा और खानपुर कोलीयान में है। इनके बीच मे लाडवा पड़ता हैं। वहां कम्यूनिटी हैल्थ सैन्टर खोलने के लिए केस आया हुआ है। मै मंत्री जी से आ वासन चाहता हूं कि क्या लाडवा मे कम्यूनिटी हैल्थ सैन्टर जल्दी खोला जाएगां?

**श्री गोवधन दास चौहानः** स्पीकर साहब, पर्टिकुलर कवै चन बरवाला के लिए था। मै इनको देख लूगां कि इसके लिए क्या हो सकता है।

**चौधरी सूबे सिंह पूनियाः** स्पीकर साहब, पिछले साल कुछ प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज अपग्रेड हुए है और कुछ नए सब–सैन्टर्ज खुले है लेकिन बहुत से सब सैन्टर्ज ऐसे है जिनकी

बिल्डिंग तो बनी हुई है लेकिन ए0एन0एम0 की नियुक्ति नही हुई है। मेरे हल्के मे तीन जगह ऐसी है। तीनो जगह बिल्डिंगज साल, दो साल से खराब हो रही है। क्या मंत्री जी ऐसी जगहों पर ए0एन0एम0 जल्दी लगाने की कृपा करेगे?

**श्री गोवधन दास चौहानः** स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने आज ही यह बात बताई है। अगर इन्होने पहले बताया होता तो इन जगहो की रिक्वायरमैंट को हम पहले पूरा कर देते। फिरप भी मै अब इन्हे वि वास दिलाता हूं कि हम ये जगहे खाली नही रहने दैगें।

**चौधरी सूबे सिंह पूनियाः** स्पीकर साहब, मै मिनिस्टर साहब को कमि नर साहब को और डायरैक्टर साहब को इस सम्बन्ध मे पिछले एक साल मे दो बार पत्र लिख चुका हूं।

**श्री गोवधन दास चौहानः** स्पीकर साहब मुझे कोई पत्र नही मिला हैं।

**बहिन भाान्ति देवीः** स्पीकर साहब, मै भी आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करना चाहती हूं कि करनाल की तरफ से ये कुछ ध्यान दें। हमारे यहां ग्रिवैन्सिज कमेटी की मीटींग मे भी मिनिस्टर साहब ही आते है। वहां तो सबसे बड़ा ग्रिवैन्स कमेटी का ही है। वह हस्पताल 100 वर्श पुराना, जर्जर और खराब हालत मे है। लगभग तीन साल हुए जब नए हस्पताल का ि ालान्यास हुआ था लेकिन पैसे की कमी

की वजह से वह नही बन रहा हें मै मंत्री जी से प्रार्थना करूंगी कि इस बार ये उसके लिए पूरा पैसा दें। वित्त मंत्री जी से भी मेरी प्रार्थना है कि वे इसके लिए पूरा पैसा दें। स्पीकर साहब, मजे की बात यह है कि मेरे सिवाए करनाल जिले के जितने एम0एल0एज0 है वे या तो मंत्री है या स्पीकर या डिप्टी स्पीकर है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि कोई भी इसके लिए सिफारि ा करने वाला नही है।

**श्री अध्यक्षः** स्पीकर को क्या वापस बुलाना चाहती है?(हंसी) मिनिस्टर साहब, यह बात ठीक है कि काफी देर से उस हस्पताल का ि ालान्यास हुआ पड़ा हैं। उसको बनान की तरफ भी ध्यान दिया जाए।

**श्री गोवधन दास चौहानः** स्पीकर साहब, जैसे जैसे धन उपलब्ध होगा, हम इसकी ओर भी ध्यान देगें।

**चौधरी अजमत खांः** स्पीकर साहब, सरकार की नीति है कि हर तहसील हैड क्वार्टर पर हस्पताल या पी0एच0सी0 बनाएगें लेकिन यह हथी की बदकिस्मती है कि वहां यह सुविधा नही मिली हैं। उसे तहसील बने 7 साल अर्सा हो गया है क्या मंत्री जी वहां भी पी0एच0सी0 या सिविल हस्पताल बनवाने की कृपा करेगें?

**श्री गोवधन दास चौहानः** मै इसकी जांच करवा लूंगां कि यहां यह सुविधा क्यो नही है।

**चौधरी कुन्दन लाल:** स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने कहा कि जिस सब डिविजनल हैडक्वार्टर पर 30 बिस्तरों वाला हस्पताल होगा वहां यह सुविधा देगे। मै मंत्री जी से निवदेन करूंगा कि सफीदों मे तो 30 बिस्तरों वाले हस्पताल का उद्घाटन आपने ही किया है। इसके अलावा सफीदों से जींद 35 किलोमीटर दूर है जहां पोस्ट मौर्टम करवाने के लिए जाने मे बहुत दिक्कत होती है। क्या मंत्री जी वि वास दिलायेगे कि कितनी जल्दी यह सुविधा वहां दे दी जाएगी?

**श्री गोवधन दास चौहान:** स्पीकर साहब, मै पहले ही कह चुका हूं कि सब डिविजनल हैडक्वार्टर पर हम इसका इन्तजाम करवा दैगें।

**33 K. V. Grid Sub-Station at Bichpari of District Sonepat**

***1256 Sh. Bhale Ram:** Will the Minister for irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a 33 KV Grid Sub-Station in Bichpari Village of District Sonepat; if so, the time by which proposal is likely to materialise?

**Irrigation & Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):** Yes. The proposal is presently under consideration of the State electricity Board and is likely to materialize during the year 1987-88.

**श्री भले राम:** स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह जो 33 के0वी0 सब–स्टे ान बना रहे है, क्या

इसके लिए गांव वालो ने जमीन दे दी हैं और इससे कितने गांवो को फायदा होगा?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला:** स्पीकर साहब, इसके लिए ग्राम पंचायत ने 5 एकड़ जमीन देने की बात मान ली है और इसके प्रोजैक्ट वर्कस और डिजाईन वगैरा का काम भुरू कर दिया गया है। जल्दी ही हम इस जमीन का पोजै ान लेने वाले हैं। इस वक्त बिचपड़ी और आस पास के गावों का 11 के0वी0 सब–स्टे ान जागसी और 11 के0वी0 सब–स्टे ान बुटाना से बिजली मिल रही है और ये सब–स्अेन्ज 132 के0वी0 सब–स्टे ान गोहाना से फीड हो रहे है। यह लाईन 30 किलोमीटर लम्बी है जिसकी वजह से इन गांवो मे लो वोल्टेज की प्रौब्लम है, इसलिए बिचपड़ी मे 33 के0वी0 सब–स्टे ान लगाने का प्रोग्राम है। यह सब–स्टे ान 15 लाख रूपये का लगेगा। 10 किलोमीटर लम्बी लाईन बनाई जाएगी जिस पर 7 लाख रूपया खर्च होगा। स्पीकर साहब, जल्दी ही यह काम भुरू किया जाएगा।

**Setting Up of Oil Refinery in the State**

***1252 Sh. Bhale Ram & Sh. Nihal Singh:** Will the Minister for Industies be pleased to state—

(a) whether any communication dindicating the decision of the Government of India to set up an Oil Refinery in the State has been received by the Government ; and

(b) if so, details therof together with the time by which the above said Refinery is likely to be set up?

**उधोग मंत्री (श्री श्रीकि ान दास):**

(क) जी हां।

(ख) भारत सरकार करनाल मे प्रतिवर्श छः मिलियन टन की क्षमता वाले तेल भाोधक कारखाने की स्थापना हेते विभिन्न विवरणों को अन्तिम संबंधित विभिन्न विवरणों केा अंतिम रूप दिये जाने के बाद ही पता लग सकेगां।

**श्री भले रामः** क्या मंत्री जी बताएगें कि भारत सरकार से जो पत्र आया है उसमे क्या लिखा है?

**श्री श्रीकि ान दासः** उसमे तो यही लिखा हुआ है कि यह कारखाना लगेगा और इस पर 1500 करोड़ रूपया खर्च होगा।

**श्री निहाल सिंहः** क्या मंत्री जी बतायेगें कि इसके लिए कितनी जमीन दरकार होगी और साईट कहां सिलैक्ट की गई हैं?

**श्री श्रीकि ान दासः** इसके वास्ते 2080 एकड़ 2 कनाल 10 मरले जमीन लेगें। इसमे से 1247 एकड़ जमीन को कस्टोडियन की है और 833 एकड़ जमीन प्राईवेट आदमीयों की है। यह जमीन गांव बहौली के पास हैं।

**श्री कंवल सिहः** स्पीकर साहब, हमारे प्रान्त मे यह बहुत बड़ा कारखाना लगने जा रहा हैं। पिछले सै ान से आपने नोट किया होगा कि मारूती उधोग के बारे मे जिक्र आया था। वहा पर दूसरी स्टेट के लोगों केा रोजगार दिया जाता है जब कि हमारी

स्टेट बिजली देती हैं और दूसरी हमारी स्टेट ने ही जमीन दी है। इसलिए क्या मंत्री महोदय केन्द्र से आग्रह करेगे कि जितने भी रोजगार यहां निकले उनमे हरियाणा वासियों को प्राथमिकता दी जाये और दूसरी स्टेट के लोगो का न दी जायें?

**श्री श्रीकि ान दासः** हरियाणा के आदमियों का पूरा ध्यान रखा जायेगा।

**श्री भले रामः** क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेगें कि इस कारखाने मे लेबर की अप्वायंटमैंट भ्ाुरू कर दी है।

**श्री श्रीकि ान दासः** अभी कोई ऐसी अप्वायंटमैंट नही की है।

**बहिन भाान्ति देवीः** अध्यक्ष महोदय, इस कारखाने को लगाने की बात पांच साल से चल रही है और अब भी यही कह रहे है कि बात चल रही है। इस कारखाने के बारे मे बात ही नही चलनी चाहिए बल्कि बड़ी मेहनत से, उत्साह और लग्न से इसे लगाने को काम करवाना चाहिए क्योकि चौधरी बंसी लाल जी तो निमार्ण के कामों मे बडी रूचि लेते है। इसलिए मै मंत्री महोदय, से जानना चाहती हूं कि इस कारखाने को कब तक लगवा रहे हो और कौन सी तारीख तक यह लग जायेगां?

**श्री श्रीकि ान दासः** स्पीकर साहब, इस कारखाने को लगवाने मे चौधरी बंसी लाल जी ने पर्सनल लैवल पर कोि ा ा की है और इसके लिए केन्द्रीयव सरकार से भी कह रहे हे कि

जल्द से लगाया जायें। जब 21 तारीख को प्राईम मिनिस्टर श्री राजीव गांधी जीन्द आये थे तो उन्होने भी कहा था कि इसे जल्दी लगाने जा रहे हैं इस पर 1500 करोड़ रूपया खर्च होगा। यह कारखाना जल्दी ही लगेगा ओर इसकी मंजूरी हो गई हैं।

**श्री कंवल सिंहः** स्पीकर साहब, मै आपके मंत्री द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहूंग कि इस कारखाने के लगान के बाद कितने एनसिलरी यूनिटस लगने की सम्भावना है?

**श्री श्रीकि ान दासः** ऐनासिलरी यूनिटस तो लगेगे लेकिन डिटेल मे नही बताया जा सकता कि कितने लगेगें।

**चौधरी लाल सिंहः** स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेगे कि इसमे जो आदमी रखे जायेगे, वे एक ही हल्के के रखे जायेगे या दूसरे हल्कों के भी रखे जायेगें?

**श्री श्रीकि ान दासः** यह कहना तो मु कल है कि किस हल्के के कितने रखे जायेगें। जिस हल्के के अच्छे काम करने वाले आयेगे उन्हे ही रखा जायेगा?

**बहिन भाान्ति देवीः** अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि इस कारखाने मे रोजगार देने के मामले मे सरकार हरियाणा के लोगो को ख्याल रखेगी। यह कारखानो करनाल जिले मे लग रहा है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहूंगी, क्या प्रोपर करनाल के लोगो को रोजगार देने मे प्रैफरैन्स देगें?

**श्री श्रीकि ान दास:** यह तो कुदरती बात है कि जिस जगह पर फैक्अर लगती हे उस जगह के लोग फायदा उठाते है और दूसरे उस एरिया के लोगों का ज्यादा ख्याल भी रखा जायेगा।

**Setting Up of Oil Refinery in the State**

***1252 Sh. Bhale Ram & Sh. Nihal Singh:** Will the Minister for Irrigation and power be pleased to state the present stage of work for the construction of Dadupur-Nalvi Canal?

**Irrigation & Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):** The honorable Member is perhaps referring to the Shahabad Nalvi Scheme. The Scheme stands approved by the Government at a cost of about Rs. 21.90 corres. Land acquisition for the Shahabd Feeder is in progress. The alignment of the of the Feeder has been approved. The execution of the scheme will commence after the land has been acquired.

**चौधरी साहब सिह सैनी:** अध्यक्ष महोदय, इस नहर के लिए 21.90 करोड़ रूपया रखा गया है। क्या जमीन ऐकवायर करने का प्रोसैस भुरू हो गया है, अगर हो गया है तो दफा चार और छः के नोटिफिके ान कितनी जमीन के हो गये हैं और अगर नही हुए है तो कितनी के नही हुए और ये नोटिफिके ान बक तक इ ू कर दिये जायेगे? यह चूकि बड़ी अहम नहर है इसिलए क्या

मत्री महोदय बताने को कश्ट करेगे कि अब तक उसके बारे मे कितनी प्रोग्रैस हुई है?

**चौधरी भाम ोर सिह सुरजेवालाः** इस नहर के लिए लैन्ड ऐक्वीजि ान का जो काम हुआ है उसकी डिटेल इस प्रकार है:—

"The land Notification U/S 4 of Land Acquisition Act, 1894 from KM 5.397 to 18.922 has been published after getting the approval of land papers. Land documents U/S 6 from KM 5.397 to KM 11.454 also stand approved from Government. The land papers U/S 4 from KM 18.922 to 25.100 are unde process."

So, Sir, these are diffenrent statges of land qcquisition.

**सेठ राम दास धमीजाः** स्पीकर साहब, मैम्बर साहब ने सवाल दादूपुर नलवी स्कीम के बारे मे पूछा था जब कि जवाब मे भााहबाद नलवी स्कीम दिया हुआ है। क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि किस नाम से यह स्कीम है, और क्या अम्बाला कैन्ट का भी इस स्कीम के तहत पानी मिलेगा?

**चौधरी भाम ोर सिह सुरजेवालाः** मैम्बर साहब, ने ठीक फरमाया है। इस प्रोजैक्ट का पापुलर नाम दादूपुर नलवी कैनाल है लेनि असली नाम भााहबाद नलवी स्कीम हैं। जहा तक अम्बाला केन्ट का पानी देने का सवाल है इस वक्त अर्बन एरियाज का पानी देने का कोई प्रोवीजन नही है लकिन जब कोई नहर निकलती है

तो उससे अर्बन एरियाज को अगर पानी नही है लेकिन जब कोई नहर निकलती है तो उससे अर्ब ऐरियात को अगर पानी मिल सकता है तो दे दिया जााात हैं। इस नहर की डिटेल यह कैनाल अम्बाला और कुरूक्षेत्र के एरियाज का पानी देगी। इस नहर की डिटेल मै हाउस को बता देता हूं। टोटल लैन्थ आफ चैलन्ज 381. 40 किलोमीटर होगी। इस नहर से 347 गांव अम्बाला और कुरूक्षेत्र जिले के इरिगेट होगे जिनकी टोटल जमीन 75350 हैक्टेयर होगी और 21.90 करोड़ रूपया इस पर खर्च होगा। अगर आप बाउन्डरी भी पूछना चाहते है तो वह भी बता देता हूं। The area under this Scheme is bound by Ladwa Pipli Road, SYL Canal, Tangri Nadi, Ambala-Jagadhri Railway Line and WJC Canal from Jagadhri to Dhanaura Escape, यह इसकी बाउन्डरी है। इस एरिया के अन्दर 347 गांव है जिनकी जमीनों को फायदा होगा। हल्के इसमे दर्ज नही है फिर भी ब्रोडली बता देता हूं। जगाधरी, यमुनानगर के साथ के कुछ गांव, रादौर का एरिया, भााहबाद, मुलाना और नग्गल का एरिया आदि इससे बैनिफिटिड होगें। इस प्रकार से इसमे 5–6 कांस्टिचुऐसीस के गांव भाामिल है।

**चौधरी साहब सिह सैनीः** स्पीकर साहब, दादूपुर नलवी नहर के बारे मे तो मंत्री महोदय ने डिटेल मे बता दिया लेकिन जो नहर लाडवा के नाम से घनौरा ऐस्केप से निकाली जाएगी, वह किस एरिया का पानी देगी? दादूपुरप नलवी जो नहर है वह लाडवा पीपली रोड यानी सहारनपुर रोड तक नार्थ की ओर सिंचाई करेगी लेकिन दक्षिण को ओर काफी क्षेत्र–सहारनपुर,

कुरूक्षेत्र और सिरसा नहर के बीच आ जाता है। क्या मंत्री जी बतायेगे कि इस बीच के एरिया की किस नहर से सिचांई की जाएगी?

**चौधरी भाम ोर सिह सुरजेवालाः** एक दूसरी कैनाल की प्रोपाजल है। हथीन कुन्ड एक नया बैराज बनेगा। यह स्कीम अन्डर प्रेपरे ान है जो ि ावालिक फुटहिल्ज के साथ साथ कालका कांस्टिचुऐसी और पंचकूला के एरिया से निकलेगी। मैम्बर साहब ने जो फरमाया है, यह दूसरी कैनाल है। इस समय इसकी डिटेल मेरे पास नही है। आप मेरे आफिस मे आ जाये मै इसका नक ाा आदि आपको दिखा दूगां। जो भी मैम्बर इन्ट्रस्टिड हो ओर डिटेल पता करा चाहते हेा वे किस ऐरिया को भाामिल किया गया है और किस को भाामिल नही करना चाहिए, वे आए और हमे बता दें।

**श्री कंवल सिंहः** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने ताजेवाला बेराज को जिक्र किया है। मै इनसे यह जानना चाहता हूं कि जो यू.पी. के साथ हमारा कुछ डिस्प्यूट था, क्या वहा सौर्ट हो गया है, अगर हो गया हे तो कब तक इस पर काम भाुरू करने वाले है?

**चौधरी भाम ोर सिह सुरजेवालाः** ऐज सच हमारा यू.पी से कोई डिस्पयूट नही है। सारे पैरामीटर्ज तकरीबन तकरीबन पूरे हो चुके है। लास्ट मिन्ट मे कोई मामूली हिच आ जाये तो कह नही सकते। अभी पिछले दिनो हमारे मुख्यमंत्री जी ने यु.पी. के मुख्यमंत्री जी से बात की हैं। मैने भी उनसे बात की है। इस

मामले मे और फरीदाबाद कैनाल सिस्टम को ट्रांसफर करवाने के मामले मे हने उनसे यह रिक्वैस्ट की है कि जलदी ही मिटिंग फिक्स करवा दे और वे इस काम के लिये ऐग्री भी कर गये हैं। पिछले दिनों जब वे करनाल मे ब्रिज का फांउडे ान स्टोन ले करने के सिलसिल मे आये थे तो उस दिन वे इस बात के लिए ऐग्री कर गये थें कि वे दिल्ली मे या कही और इस बारे मे मीटिंग करके मामला सौर्ट आउट कर लेगें हमे उम्मीद है कि सरकार इस मामाल को जल्दी ही सोर्ट आडट कर लेगी।

**चौधरी लाल सिंहः** स्पीकर साहब, सिचांई मंत्री जी ने मुलाना और कालका का जिक्र किया है लेकिन बीच मे नारायण गढ जो फसा हुआ है उसका जिक्र करना भाायद वे भूल गये हैं।(हंसी) नारायणगढ का जिक्र उन्होने नही किया है। जनाबेआला, क्या वहां पर खेतों को पानी नही मिलेगा; लोग तो पानी के लिये तरस रहे है?

**चौधरी भाम ोर सिह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, हथिनी कुंड से जो दूसरी कैनाल का तजवीज है, वह मेनली नारायणगढ के लिये ही है। इन्होने बात सुनी नही है।

**Construction of Level Crossing in Jind.**

***1269 Sh. Brij Mohan:** Will the Minister for Public Works (B&R) be pleased to state—

(a) whether any funds for the construction of level crossing on the Bye-Pass on Bhiwani-Rohtak Road, in Jind

City have been placed at the disposal of Railway authorities by the Public Woks (B&R) Department;

(b) if so, whether the work for the construction of the said level crossing has been started; and

(c) if the reply to part (a) above be in the affirmative and to part (b) above be in the negative the reasons on account of which the work for the construction of said level crossing has not so far been the construction of said level crossing has not so far been undertaken together with the steps, if any, taken or proposed to be taken for getting the said construction works expedited?

**Public Works Minister (Sh. Phool Chand):**

(a) Yes; Rs. 2 Lacs.

(b) No.

(c) The matter regarding the sharing of cost has remained under correspondence with the Railway Deptt. The works could not be taken up till now as the State Government was not in a position to give an undertaking as required by the Railways that the total cost of a road over Bridge if and when required for replacing the proposed level crossing would be borne entirely by the Sate Government. Now the Railways have again been requested to provide the level crossing fro which cost has been deposited by the Sate Government Leaving the question regarding the Road Over Bridge to be settled at a future date.

**श्री भले रामः** स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि सारे हरियाणा मे रेलवे क्रोसिंग्ज कितने है किन किन पर यह पुल बने हुए है किन की मंजूरी मिल चुकी हैं और कौन से क्रोसिंग्ज पर काम भुरू है? (व्यवधान व भाोर)

**श्री फूल चन्दः** अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के सारे भाहरो मे बहुत सारे क्रोसिंग्ज है। कई जगहो पर ओवर ब्रिज बने हुए हें ओर कुरूक्षेत्र, करनाल, रोहतक और भिवानी मे काम प्रोग्रैस मे है। जो क्रोसिंग्ज की बात इन्होनें कही है, भारत सरकार से 65 क्रौसिंगज बनाने के बारे मे बात चल रही है।

**चौधरी कुन्दन लालः** अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम ये मंत्री जी से यह जानना चाहूगां कि जो जींद मे रोहतक रोड पर क्रोसिंग है उसके बनाने के बारे मे रेलवे विभाग से कोई बातचीत की गई है; यदि की गई हे तो वह क्या है?

**श्री फूल चन्दः** अध्यक्ष महोदय, यह जींद का ही सवाल है। अब मैम्बर साहब रोहतक रोड क्रासिंग के बारे मे जानना चाहते है या बाई पास के बारे मे जानना चाहते हैं यह बात ये कृप्या बताए?

**चौधरी कुन्दन लालः** बाई–पास के बारे मे।

**श्री फूल चन्दः** बाई पास की बात चल रही है।

**श्री निहाल सिंहः** स्पीकर साहब, रेलवे क्रोसिंग की प्रोब्लमप कई बार गावो मे भी आती है। ऐसे कई रेलवे क्रोसिंग है जहां गांव एक तरफ है और अस्पताल तथा दूसरी संस्थाए आदि दूसरी तरफ हैं। ऐसे रेलवे क्रासिंग भााम को 6 बजे के बाद बन्द करी देते है और 6 बजे के बाद चाहे कोई मरीज की क्यो न हो, वह कहीं आ जा नही सकता। क्या इस बारे मे मंत्री जी गवर्नमैंट आफ इंडिया से या रेलवे मिनिस्टरीसे मामला टैक–अप करेगें कि वहां पर सिंगल मैन क्रौसिंग की बजाये डबल मैन क्रौसिंग बना दिया जाये ताकि गांव वालों को सहूलियत हो सकें?

**श्री फूल चन्दः** अध्यक्ष महोदय जहां पर सडक बनी हुई है और साथ ही वहां पर अगर क्रौसिंग है तो भारत सरकार के रेलवे विभाग का उस पर कंट्रोल है फिर भी जैसे कि आदरणीय सदस्य ने कहा है कि दिक्कत है हम उनकी दिक्कत को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार को इस विशय में चिटठी लिखेंगे।

**Issue of Gun/Revolver/Pistol licences**

***1274. Chaudhri Azmat Khan:** Will the minister for Home be pleased to state the names and addresses of persons issued gun/revolver/pistol licences in Nuh, Ferozcpur Jhirkha and Palwal Sub-Divisions during the year 1986-87 (upto 31 st January, 1987) separately?

**Home Minister (Chaudhri Tayyab Hussain):** The requisite information is laid on the Table of the House.

**STATEMENT**

(a) List of persons to whom Arms Licences were issued during the year 1986-87 (1-4-86 to 31-1-87) in Nuh Sub-Division

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 1 | 104/Nuh/April/86 | Om Parkash s/o Fateh Chand r/o Tauru | NPB Revolve |
| 2 | 105/Nuh/April/86 | Om Parkash s/o Chandgi Ram r/o Jorasi | DO |
| 3 | 65/Nuh/June/86 | Lal Khan s/o Jom Khan r/o Sunari | Gun |
| 4 | 101/Nuh/July/86 | Manager, SBI, Rojka Meo | Gun |
| 5 | 102/Nuh/July/86 | Harish Kumar s/o Lal Chand r/o Nuh | Rifle |
| 6 | 103/Nuh/July/86 | Nanak Chand s/o Ram Chand r/o Nuh | Gun |
| 7 | 104/Nuh/July/86 | Ali Mohd. s/o Subhan Khan r/o Adwar | Gun |
| 8 | 105/Nuh/July/86 | Habib Khan s/o Kole Khan r/o Sudaka | Gun |
| 9 | 55/Nuh/Oct./86 | Ala Bax Khan s/o Ramanjan Khan r/o Malai now constable PS Nuh | Gun |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10 | 56/Nuh/Dec./86 | Noor Mohd. s/o Jai Khan r/o Sunari | Gun |
| 11 | 106/Nuh/Dec./86 | Jawahar Singh s/o Faquira r/o Chhapera | Revolver |
| 12 | 107/Nuh/Dec./86 | Dalip Singh s/o Singh Ram SHO Tauru | Gun |
| 13 | 94/Nuh/Jan./87 | Jamil Ahmed s/o Rehmat r/o Kalika | Gun |
| 14 | 95/Nuh/Jan./87 | Noor Khan s/o Rehmat r/o Chilawali | Gun |
| 15 | 96/Nuh/Jan./87 | Om Parkash s/o Krishan Lal r/o Nuh | Gun |

(b) List of persons to whom Arms Licences were issued during the year 1986-87 (1-4-86 to 31-1-87) in Ferozpur Jhirka Sub-Division

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 1 | 49/SDM (F) | Noor Mohd. s/o Kantula r/o Molhaka | DBBL Gun |
| 2 | 50/SM (F) | Najir Ahmed s/o Jagdev r/o Badarpur | SBBL Gun |
| 3 | 51/SDM (F) | Abdul Hakimas s/o Ghosi r/o Bisru | DMML Gun |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4 | 60/SDM (F) | Dina s/o Nabi Bux r/o Mandhi | DBBL Gun |
| 5 | 61/SDM (F) | Sahab Khan s/o Chattar Khan r/o Jadoli | SBBL Gun |
| 6 | 62/SDM (F) | Fateh Mohd. s/o Rehmat r/o Mohd. Nagar | DBBL Gun |
| 7 | 63/SDM (F) | Rustam s/o Dalla Khan r/o Moolthan | SBBL Gun |
| 8 | 64/SDM (F) | Sardar Mohd. s/o Chand Khan r/o Tundlaka | SBBL Gun |
| 9 | 33/SDM (F) | Yakub s/o Barat r/o Amka | DBBL Gun |
| 10 | 36/SDM (F) | Sumer Khan s/o Nabi Khan r/o Tundlaka | SBBL Gun |
| 11 | 37/SDM (F) | Abdul Salam s/o Umrao r/o Mohd. Nagar | DBBL Gun |
| 12 | 38/SDM (F) | Abdul Majid s/o Fateh Khan r/o Badas | SBBL Gun |
| 13 | 39/SDM (F) | Nanak Chand s/o Kala Khan r/o Badas | DBBL Gun |
| 14 | 60/SDM (F) | Mohan Singh s/o Kalu Ram Reader DSP F.P. Jhirka | DBBL Gun |
| 15 | 61/SDM (F) | Sarup Singh s/o Kanwal Singh Reader DSP F.P. | DBBL |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | Jhirka | Gun |
| 16 | 62/SDM (F) | Paraduman Singh s/o R.D. Chaudhry DSP F.P. Jhirka | Revolver |
| 17 | 63/SDM (F) | Satish Chand s/o Chet Ram c/o DSP F.P. Jhirka | DO |
| 18 | 64/SDM (F) | Sukhpal Singh s/o Dal Singh Const. P.S. Nagina | DO |
| 19 | 65/SDM (F) | Brahm Parkash s/o Dal Chand Const P.S. Nagina | SBBL Gun |
| 20 | 66/SDM (F) | Jagmender Singh s/o Chattar Constable P.S. Nagina | DBBL Gun |
| 21 | 67/SDM (F) | Rakesh Yadav s/o O.P. Yadav c/o SDO F.P. Jhirka | DBBL Gun |
| 22 | 68/SDM (F) | Ajay Kumar s/o Hari Chand r/o Nigan | Revolver |
| 23 | 69/SDM (F) | Ass Mohd. s/o Budha r/o Molhaka | SBBL Gun |
| 24 | 70/SDM (F) | Manphool Singh s/o Badal HMC PS F.P. Jhirka | DBBL Gun |
| 25 | 71/SDM (F) | Fajar Khan s/o Niwaj Khan r/o Rehpwas | SBBL Gun |
| 26 | 72/SDM (F) | Sami Khan s/o Niwaj Khan | SBBL |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | r/o Raniyala F.pur | Gun |
| 27 | 73/SDM (F) | Ishaq s/o Iqrahim r/o Dhanna | DBBL Gun |
| 28 | 74/SDM (F) | Kamru din s/o Safed Khan r/o Kolgaon | DBBL Gun |
| 29 | 36/SDM (F) | DN Sachdev s/o Sawan Ram r/o F.P. Jhirka | Revolver |
| 30 | 37/SDM (F) | Manmohan Singh s/o Kishan Singh r/o F.P. Jhirka | DO |
| 31 | 38/SDM (F) | Charan Singh s/o Kanwar Singh F.P. Jhirka | Revolver |
| 32 | 39/SDM (F) | Ashwani Kumar s/o DN Sachdev r/o F.P. Jhirka | Revolver |
| 33 | 40/SDM (F) | Yug Raj Singh s/o DS Sagar r/o F.P. Jhirka | Revolver |
| 34 | 41/SDM (F) | Ali Mohd s/o Nasib Khan PS F.P. Jhirka | DBBL Gun |
| 35 | 42/SDM (F) | Shamesh Khan s/o Nahangira r/o Ranika | SBBL Gun |
| 36 | 43/SDM (F) | Kamrudin s/o Jahangira r/o Ranika | SBBL Gun |
| 37 | 44/SDM (F) | Din Mohd. s/o Dilawar | SBBL |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | Khan r/o Mohali | Gun |
| 38 | 45/SDM (F) | Surender Kumar s/o Gulab Chand r/o F.P. Jhirka | Revolver |
| 39 | 46/SDM (F) | Kanwar Khan s/o Mojit r/o Umri | SBBL Gun |
| 40 | 47/SDM (F) | Bashir Ahmad s/o Umrao Khan r/o Nagina | SBBL Gun |
| 41 | 43/SDM (F) | Kamru din s/o Sultan Khan r/o Amka | DBBL Gun |
| 42 | 44/SDM (F) | Mohd. Ilyas s/o Hasan Khan r/o Badli | DBBL Gun |
| 43 | 45/SDM (F) | Khurshid Ahmed s/o Mojal r/o Hukuka | SBBL Gun |
| 44 | 46/SDM (F) | Din Mohd. s/o Nur Bux r/o Khan Mohdpur | SBBL Gun |
| 45 | 47/SDM (F) | Aslup s/o Ishak r/o Bhadoli Kalan | SBBL Gun |
| 46 | 48/SDM (F) | Mahinder Kishore s/o Siri Ram r/o F.P. Jhirka | Revolver |
| 47 | 21/SDM (F) | Matin Khan s/o Abdul Rahman r/o Mandikhera | DBBL Gun |
| 48 | 22/SDM (F) | Islam Khan s/o Gordhan r/o Ali Tighra | SBBL Gun |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 49 | 23/SDM (F) | Ruddar s/o Kherati r/o Mohkala | SBBL Gun |
| 50 | 24/SDM (F) | Abdul Rahim s/o Paltu r/o Padla | SBBL Gun |
| 51 | 40/SDM (F) | Ami Chand s/o Parbhati Lal r/o Patan | DBBL Gun |
| 52 | 41/SDM (F) | Sirujudin s/o Juhar Khan r/o F.P Jhirka | SBBL Gun |
| 53 | 42/SDM (F) | Manohar Lal s/o Gordhan r/o Nakanpur | DBBL Gun |
| 54 | 43/SDM (F) | Nasaru din s/o Rustam Khan r/o Biwan | SBBL Gun |

(c) List of persons to whom Arms Licences were issued during the year 1986-87 (1-4-86 to 31-1-87) in Palwal Sub-Division

| Sr. No. | Date | Licence No. | Weapon | Address |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | 1-4-86 | 150/P/April | Revolver | Mohinder Kalra S/o Parma Nand Kalra r/o Palwal. Teh. Palwal |
| 2 | 3-4-86 | 151/P/April | Gun | Man Singh S/o Ram Chndi R/o Tumasra |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Teh. Palwal |
| 3 | 3-4-86 | 152/P/April | Gun | Jugale Kishore S/o Tota Ram R/o Hodal Teh. Palwal |
| 4 | 3-4-86 | 153/P/April | Revolver | Chhidi Lal S/o Arjun Lal R/o Palwal Teh. Palwal |
| 5 | 10-4-86 | 154/P/April | Gun | Sant Ram S/o Chet Ram R/o Ali Brahaman Teh. Palwal |
| 6 | 15-4-86 | 155/P/April | Gun | Mang Singh R/o Yad Ram Singh R/o Kherli Teh. Palwal |
| 7 | 15-4-86 | 156/P/April | Gun | Mohinder Singh S/o Kartar R/o Bagpur Kala Teh. Palwal |
| 8 | 17-4-86 | 157/P/April | Revolver | Subhash Chand S/o Nihal Chand R/o New Colony Palwal Teh. Palwal |
| 9 | 24-4-86 | 159/P/April | Revolver | Pehlad S/o Khalyi Ram R/o Lalpur Kadim Teh. Palwal |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 10 | 24-4-86 | 160/P/April | Gun | Kamru S/o Chand Khan R/o Sapanki Teh. Hathin |
| 11 | 30-4-86 | 161/P/April | Revolver | Nahar Singh S/o Ghar Singh R/o Rasulpur Teh. Palwal |
| 12 | 5-5-86 | 089/P/May | Gun | Vijay Pal S/o Deep Chand R/o Dhatir Teh. Palwal |
| 13 | 5-5-86 | 90/P/May | Gun | Gobind Singh S/o Chandi Ram R/o Chaprola Teh. Palwal |
| 14 | 5-5-86 | 91/P/May | Revolver | Ranbir Singh S/o Ghasita Singh R/o Janoli Teh. Palwal |
| 15 | 6-5-86 | 92/P/May | Gun | Sumer Singh S/o Med Singh R/o Kithwari Teh. Palwal |
| 16 | 14-5-86 | 93/P/May | Gun | Tej Ram S/o Kishan R/o Alibrahmin Teh. Hathin |
| 17 | 14-5-86 | 94/P/May | Gun | Rajinder Singh S/o Dallo Singh R/o |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Banchar Teh. Palwal |
| 18 | 16-5-86 | 95/P/May | Gun | Fetha Singh S/o Bani Ram R/o Orangabad Teh. Palwal |
| 19 | 22-5-86 | 96/P/May | Gun | Rati Ram S/o Mangli R/o Janoli Teh. Palwal |
| 20 | 19-6-86 | 75/P/May | Revolver | Anil Goel S/o Tejpal Goel R/o Guptaganj Palwal Tehsil |
| 21 | 19-6-86 | 76/P/May | Gun | Beer Singh S/o Kundan Singh R/o Janoli Teh. Palwal |
| 22 | 26-6-86 | 77/P/May | Gun | Shir Chand S/o Tula Ram R/o Hansapur Teh. Palwal |
| 23 | 26-6-86 | 78/P/May | Gun | Sudan Singh S/o Samya Singh R/o Hansapur Teh. Palwal |
| 24 | 2-7-86 | 82-P/July | Revolver | Narender Kumar Mahajan S/o Durga |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Dass, Moh. Thai Teh. Palwal |
| 25 | 3-7-86 | 23-P/July | Revolver | Anil Kumar S/o Tirlok Chand Kishanganj Teh. Palwal |
| 26 | 3-7-86 | 84-P/July | Gun | Gurdev Singh S/o Hari Singh Kishanganj Teh. Palwal |
| 27 | 4-7-86 | 85-P/July | Gun | Israj Khan S/o Allahabash R/o Ajijabad Teh. Palwal |
| 28 | 17-7-86 | 86-P/July | Gun | Nathi Ram S/o Behla R/o Alika Teh. Palwal |
| 29 | 26-7-86 | 27-P/July | Revolver | Girdhari S/o Bhola Ram R/o Aggarwal Colony Palwal |
| 30 | 26-7-86 | 28-P/July | Gun | Khaniya Lal S/o Sukhdev SHO City Palwal, Teh. Palwal |
| 31 | 5-8-86 | 168-P/Aug. | Revolver | Nath Kumar s/o Udayavir H.N. 1924 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | GT Road, Palwal |
| 32 | 5-8-86 | 169-P/Aug. | Gun | Munir S/o Mahtu R/o Huohpuria, Teh. Palwal |
| 33 | 14-8-86 | 170-P/Aug. | Gun | Dharambir S/o Piare Lal R/o Bhambrola Jogi Teh. Hathin |
| 34 | 14-8-86 | 171-P/Aug. | Gun | Deep Chand S/o Ami Chand R/o Bhambroha Jogi Teh. Palwal |
| 35 | 18-8-86 | 172-P/Aug. | Gun | Rattan Lal S/o Sadhu Ram R/o Galpur Teh. Palwal |
| 36 | 18-8-86 | 173-P/Aug. | Gun | Inder Singh S/o Ram Chand R/o Maholi Teh. Palwal |
| 37 | 18-8-86 | 174-P/Aug. | Revolver | Yash Pal S/o Nand Lal R/o Dhundsa Teh. Palwal |
| 38 | 28-8-86 | 177-P/Aug. | Gun | Jagdish Chand S/o Chiranji Lal R/o Taraka Teh. Palwal |
| 39 | 2-9-86 | 179-P/Aug. | Revolver | Haran Singh S/o |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Amrit Lal New Colony Teh. Palwal |
| 40 | 5-9-86 | 66-P/Sep. | Revolver | T.C. Tawatia S/o Kundan Singh R/o Janoli Teh. Palwal |
| 41 | 5-9-86 | 67-P/Sep. | Gun | Om Parkash S/o Matadin R/o Thana Sadar Teh. Palwal |
| 42 | 5-9-86 | 68-P/Sep. | Gun | Shiv Hari S/o Lal Singh R/o Pengaltu Teh. Palwal |
| 43 | 5-9-86 | 69-P/Sep. | Gun | Sikander S/o Radhey Lal R/o Manpur Teh. Palwal |
| 44 | 9-9-86 | 70-P/Sep. | Revolver | Subhash Chand S/o Chandi Lal Teh. Palwal |
| 45 | 11-9-86 | 71-P/Sep. | Gun | Abdul Majid S/o Rehmat R/o Ali Meo Teh. Hathin |
| 46 | 11-9-86 | 72-P/Sep. | Revolver | Subhash Choudhary S/o Kundan Singh R/o Palwal Teh. Palwal |
| 47 | 16-9-86 | 74-P/Sep. | Gun | Bhagwan Singh S/o |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Khayali Ram R/o Lal Pur Kadim Teh. Palwal |
| 48 | 19-9-86 | 75-P/Sep. | Gun | Virender Singh S/o Bali Ram R/o Lalwa Teh. Palwal |
| 49 | 19-9-86 | 75-P/Sep. | Gun | Manager Coop. Bank Pirthla |
| 50 | 23-9-86 | 77-P/Sep. | Revolver | Om ParkashS/o Chock Ram GT Road Teh. Palwal |
| 51 | 1-10-86 | 99-P/Oct. | Gun | Arjun Singh S/o Attar Singh R/o Gelpur Teh. Palwal |
| 52 | 1-10-86 | 100-P/Oct. | Rifle | Girraj Singh S/o Fehta Ram R/o Bahin Teh. Palwal |
| 53 | 14-10-86 | 101-P/Oct. | Revolver | Dharam Pal S/o Rattan Singh R/oKalwaka Teh. Palwal |
| 54 | 15-10-86 | 102-P/Oct. | Revolver | Smt. Sudesh Bhatia W/o KL Bhatia, New Colony, Palwal |
| 55 | 15-10-86 | 103-P/Oct. | Revolver | Rajinder Parshad |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | S/o Bhoram Lal R/o Pirthla Teh. Palwal |
| 56 | 20-10-86 | 104-P/Oct. | Revolver | RP Gupta S/o MP Gupta R/o New Colony, Palwal |
| 57 | 21-10-86 | 105-P/Oct. | Gun | Charan Singh S/o Ram Sarup R/o Budhiki Teh. Palwal |
| 58 | 21-10-86 | 106-P/Oct. | Revolver | Rattan Lal S/o Sohan Lal R/o New Colony, Palwal |
| 59 | 21-10-86 | 107-P/Oct. | Gun | Manager Commercial Bank Hassanpur Teh. Palwal |
| 60 | 4-11-86 | 63-P/Nov. | Gun | Samrath Singh S/o Pachaman Singh R/o Aurangabad Teh. Palwal |
| 61 | 7-11-86 | 64-P/Nov. | Gun | Nathi Singh S/o Deepa R/o Nagla Hathin |
| 62 | 6-11-86 | 65-P/Nov. | Gun | Manager State Bank of Patiala |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Hathin |
| 63 | 10-11-86 | 66-P/Nov. | Revolver | Achander Parkash S/o Pachman Dass, New Colony Palwal |
| 64 | 17-11-86 | 67-P/Nov. | Revolver | Budhi Singh S/o Gyasi Ram R/o Janoli Teh. Palwal |
| 65 | 11-11-86 | 68-P/Nov. | Revolver | Nand Kishore S/o Ram Kishan R/o Hodal |
| 66 | 13-11-86 | 70-P/Nov. | Gun | Tara Chand S/o Heera Lal R/o Charrot Teh. Palwal |
| 67 | 14-11-86 | 71-P/Nov. | Gun | Harpal Singh S/o Krishan Singh Inder pur Palwal, Teh. Palwal |
| 68 | 14-11-86 | 72-P/Nov. | Revolver | Ajit Singh S/o Lal Chand ADA Palwal Teh. Palwal |
| 69 | 14-11-86 | 73-P/Nov. | Gun | Shyam Singh S/o Gyasi Ram R/o Kakrali Teh. Palwal |
| 70 | 18-12-86 | 117-P/Dec. | Gun | Nabab Khan S/o Shah Buddin R/o |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Hathin |
| 71 | 29-12-86 | 118-P/Dec. | Gun | Manager PNB, Hodal Teh. Hodal |
| 72 | 1-1-87 | 106-P/Jan. | Revolver | Ishwar Dutt S/o Gulab Singh R/o Pengaltu Teh. Palwal |
| 73 | 1-1-87 | 117-P/Jan. | Gun | Narbir Singh S/o Pirtamber R/o Bhulwana Teh. Palwal |
| 74 | 5-1-87 | 108-P/Jan. | Revolver | Om Parkash Tewatia S/o Devi Ram R/o Meerapur Teh. Palwal |
| 75 | 5-1-87 | 109-P/Jan. | Gun | Bhagat Singh S/o Shyam Lal R/o Chanduat Teh. Palwal |
| 76 | 5-1-87 | 110-P/Jan. | Gun | Bed Parkash S/o Pat Ram R/o Alika Teh. Palwal |
| 77 | 8-1-87 | 111-P/Jan. | Gun | Tara Chand S/o Bhajan Lal R/o Gharrot Teh. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Hathin |
| 78 | 12-1-87 | 112-P/Jan. | Gun | Bal Kishan S/o Singh Ram R/o Andhop Teh. Hathin |
| 79 | 12-1-87 | 113-P/Jan. | Gun | Kamrudin S/o Khudha Baks R/o Ajijabad Teh. Palwal |
| 80 | 12-1-87 | 114-P/Jan. | Gun | Puran Singh S/o Roopi R/o Banswa Teh. Palwal |
| 81 | 15-1-87 | 115-P/Jan. | Revolver | Man Mohan Singh S/o Gur Charan Jawhar Nagar Palwal, Teh. Palwal |
| 82 | 15-1-87 | 116-P/Jan. | Revolver | Madan Lal S/o Jeewan Lal R/o 286, New Colony Palwal Teh. Palwal |

**चौधरी अजमत खांः** स्पीकर साहब, जो इन्फर्मेशन हाउस की टेबल पर रखी गयी है। उससे जाहिर होता है कि नूंह सब डिविजन में 15ए फिरोजपुर झिरका में 54 और पलवल सब डिविजन में 82 आदमियों को इस साल के दौरान लाइसैंस दिये गये हैं। आप देखें नूंह में सबसे कम लाइसैंस दिये गये है। कहां

15 कहां 54 और कहा 82। नूंह के 15 आदमियों में से भी मेरे हल्के के सिर्फ 3–4 आदमियों को ही लाइसैंस मिले हैं। इसी तरह फिरोजपुर झिरका में 54 में से मेरे हल्के के केवल 11 आदमियों को और पलवल में हथीन तहसील के सिर्फ 8 आदमियों को ही लाइसैंस दिये गये है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि ऐसा करना हमारे साथ ज्यादती नहीं है?

**चौधरी तैयब हुसैनः** स्पीकर साहब, इस सवाल का जवाब पिछले सै ान में आदरणीय मुख्यमंत्री जी दे चुके है। अगर मैं उन्हीं के भाब्दों को दोहरा दूं तो कोई गलती नहीं होगी। जिस जिस जगह पर जरूरत होती है उस जगह की जरूरत को देखते हुए लोकल अथारिटीज लाइसैंस देती है। इसीलिये ये पावर्ज हमने लोकल अथारिटीज को दे रखी है।

**चौधरी अजमत खांः** स्पीकर साहब, मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि क्या मेरे हल्के के गांवों के लोग लाइसैंस मांगते ही नहीं है या उन्हें दिए ही नहीं जाते है? मैं समझता हूं कि मेरे हल्के के लोग भी लाइसैंस मांगते हैं मैं खुद इसका भुगतभोगी हूं। मैंने अपने बेटे के लिये लाइसैंस मांगा था। मेरे दादा की बन्दूक मेरे पास है। मैं यह चाहता था कि मेरे बेटे के नाम वह ट्रांसफर हो जाये। हमें यह कहा जाता है कि हम लाइसैंस देते ही नहीं है। लेकिन यहां पर इतनी लम्बी लिस्ट दी गयी है। मेरे हल्के का कोई भी आदमी इस काम के लिये रि वत नहीं देगा चाहे उसको लाइसैंस मिले या न मिले।

**चौधरी तैयब हुसैनः** स्पीकर साहब, मैं यह नहीं समझता कि मोअजिज मैम्बर को इस तरह की कोई इन–सिनुए ान करनी चाहिये। ऐसी कोई कंसीड्रे ान नहीं है। भाायद आनरेबल मैंबर को यह इल्म नहीं है कि लाइसैंस देना या न देना यह क्वासीजुडीि ायल आर्डर है और अपीलेबल आर्डर है। अगर किसी को कोई रंजि ा है तो अपील में जा सकता है। क्या इन्होंने किसी केस में प्रैसकाइब्ड अथोरिटी के सामने कोई अपील की है? हाउस में कीचड उछालने के लिए ऐसा कहना ठीक बात नहीं है।

**श्री भले रामः** स्पीकर साहब, आपको भी भाायद पता होगा कि कुछ लोग सिंगापुर या दूसरे बाहर की कंट्रीज से रिवाल्वर वगैरा लेकर आते हैं। लेकिन अब सुना जाता है कि वे ऐसा नहीं कर रहे कयोंकि उनको लाइसैंस की प्रौबलम आ जाती है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या अब ऐसे करने से उनको बन्द कर दिया गा है या कोई और बात है?

**श्री अध्यक्षः** यह तो सैंट्रल सरकार का काम है। इनके बस की बात नहीं है।

**श्री भले रामः** स्पीकर साहब, क्या ऐसी कोई चिटठी इनको आयी है।

**चौधरी तैयब हुसैनः** सर, मेरे इल्म मे तो कोई बात नहीं है। मोहतरिम मैम्बर इस बारे में नोटिस दे दें पता करके बतला देंगे।

**सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):** सर, इम्पोर्ट–ऐक्सपोर्ट हरियाणा सरकार के हाथ में नहीं है। इम्पोर्ट–ऐक्सपोर्ट की पालिसी गवर्नमैंट आफ इंडिया तय करती है। भाायद इस बारे में कोई चेंज हुई है लेकिन उसके लिये हरियाणा सरकार पिक्चर में नहीं आती।

**Providing of sewerage connections**

***1231. Seth Ram Dass Dhamija:** Will the Ministr of State for Local Government be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide sewerage connections in the big cities of the State and charge the cost thereof in easy instalments from the owners of the buildings as are provided such connections; and

(b) If so, the time by which the said proposal is likely to materialize?

**Minister of State for Local Government (Shri Lachman Dass Arora):**

(a) No, Sir.

(b) The question does not arise.

**सेठ राम दास धमीजा:** स्पीकर साहब, पंजाब में ऐसी प्रोवीजन है कि सरकार अपने खर्चे पर सिवरेज का कनैक ान

लोगों को प्रोवाइड करती है और कंज्यूमर्ज से किस्तों में पैसा वसूल करती है। आम आदमी सिवरेज का खर्चा बर्दा त नहीं कर सकता। स्पीकर साहब, सरकार सिवरेज पर लाखों करोडों रूपया खर्च करती है और आगे लोग अगर कनैक ान न लें तो वह रूपया बेकार जाता है क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार के विचाराधीन कोई ऐसी प्रपोजल है कि लोगों को सिवरेज का कनैक ान सरकार प्रोवाइड करें और फिर उसके खर्च को आसान किस्तों में लोगों से ले ले?

**श्री लछमन दास अरोडाः** स्पीकर साहब, जहां तक विचार करने का सवाल है ऐसी बातों पर विचार किया जा सकता है लेकिन जैसा इन्होंने पंजाब के बारे में बताया है स्पीकर साहब, वहां ऐसी कोई बात नहीं है। स्टेट में एक दो कमेटीज हैं जिनकी फाइनैंि ायल पेाजी ान कुछ अच्छी है और वे यह काम कर सकती है। अगर एक दो जगह ऐसा करवा दिया जाए तो दूसरी जगहों पर भी यह डिमान्ड होगी। इसलिए फिलहाल यह बात विचाराधीन नहीं है।

**Construction of new building of the Primary Health Centre at Hassangarh**

***1245. Chaudhri Inder Singh Nain:** Will the Ministr for Health and Ayurveda be pleased refer to reply to

starred question No.1121, answered on the floor of the House on 27.2.1986 and state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct new building for the Primary Health Centre at village Hassangarh (Hisar); and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to materialize together with the estimated cost thereof?

**स्वास्थ्य मंत्री (श्री गोवर्धन दास चौहान):**

क. जी हां।

ख. भवन का पूर्ण होना जमीन तथा धन की उपलब्धि पर निर्भर करेगा।

**चौधरी इन्द्र सिंह नैनः** मन्त्री महोदय ने पहले पार्ट का जवाब यस में दिया है और यह माना हे कि कंस्ट्रक ान आफ बिल्डिंग फण्डज और जमीन की अवेलेबिलिटी पर डिपैन्ड करती है। स्पीकर साहब, जमीन पंचायत ने दे दी है और पैसा आज फाइनैंस मिनिस्टर दे देंगे। स्पीकर साहब, मैंने पार्ट बी में यह पूछा था कि कितना पैसा लगेगा? स्पीकर साहब, जब इन्होंने पैसा मांगा की नहीं है तो फाइनैंस डिपार्टमैंट पैसा कैसे दे देगा? क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इस पीएचसी पर कितना पैसा लगेगा?

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** स्पीकर साहब, पीएचसी की पूरी बिल्डिंग पर बारह लाख रूपया लगता है। इसकी कुछ

कंस्ट्रक ान हुई है। यहां पर जमीन पंचायत से हैल्थ डिपार्टमैंट को ट्रांसफर नहीं हुई है। जब जमीन ट्रांसफर हो जाएगी तो जमीन के मुताबिक नक ाा बनाएंगे कि कितनी बिल्डिंग बनानी जरूरी है और उसके मुताबिक ऐस्टिमेट बनाएंगैं।

**श्री कंवल सिंहः** क्या मंत्री महोदय बताने की कोि ा ा करेंगे कि नई पीएचसी खोलने का क्या काइटेरिया है।

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** स्पीकर साहब, जो भी पंचायत पीएचसी खुलवाना चाहे उसको चार एकड भूमि और पचास हजार रूपया जमा करवाना पडेगा।

**श्री लाल सिंहः** क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि पंचायत से जो जमीन ली जाएगी उसका पैसा पंचायत को दिया जायेगा।

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** स्पीकर साहब, वह तो पंचायत की तरफ से डोने ान आएगा। पंचायत को पैसा नहीं दिया जाएगा।

**चौधरी इन्द्र सिंह नैनः** क्या मंत्री महोदय यह आ वासन देंगे कि जमीन और पैसा मिलने के कितने दिन बाद ये पीएचसी की बिल्डिंग का काम भाुरू करवा दैंगे?

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** स्पीकर साहब, जैसे ही हमें जमीन और पैसा उपलब्ध होगा हम जल्दी ही काम भ्रुरू करवा देंगे।

**श्री भले रामः** स्पीकर साहब, मेरे हलके में गगाना गांव है वहां पर भी अभी तक पीएचसी नहीं खोली हुई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कितने गांवों की दरखास्तें पीएचसी खोलने के लिए आई हुई है और कितने केसिज इनके पास पैंडिंग पडे हुए है और कितनी जगहों पर इन्होंने पीएचसी खोल दी हे?

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** स्पीकर साहब, यह इन्फर्मे ान मेरे पास नहीं है लेकिन जहां से पैसा और जमीन हमें मिल गई है वहां पर हमारी कोि ा ा यही है कि जल्दी की प्रायरिटी बेसिज पर वहां पर काम भ्रुरू करवा दें।

**चौधरी कुन्दन लालः** स्पीकर साहब, मेरे हल्के में मुआना गांव है। वहां की पंचायत ने आठ किल्ले जमीन दो साल हुए इनके नाम कर दी है और चालीस हजार रूपया भी जमा करा दिया है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उस काम को जल्दी करवा दिया जाएगा?

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** स्पीकर साहब, इस तरह की बात मेरे नोटिस में नहीं है। मैम्बर साहब मेरे पास आ जाएं तो मैं सारी बात इनको बता दूंगा।

**श्री निहाल सिंहः** स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया है कि पीएचसी खोलने के लिए चार एकड जमीन देनी पडती है और पचास हजार रूपया जमा कराना पडता है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अगर हरेक गांव जमीन और पैसा दे दे तो हर जगह पीएचसी खोल दी जाएगी और एक पीएचसी और दूसरी पीएचसी में कितना अन्तर होना जरूरी है?

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** स्पीकर साहब, तीस हजार की आबादी पर हम एक पीएचसी खोलते है।

**मास्टर राम सिंहः** क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि मेरे हलके के खानपुर कोलियान और बबैन में पीएचसी खोलने का काम कब तक भुरू कर दिया जाएगा?

**श्री गोवर्धन दास चौहानः** स्पीकर साहब, यह क्वै चन हसनगढ के बारे में है। मैम्बर साहब जो पूछ रहे है वह इंफर्मे ान मेरे पास नहीं है। वे मेरे पास आ जाएं मैं उन्हें बता दूंगा।

**Setting up of Sugar Mills in Haryana**

***1257. Shri Bhalle Ram:** Will the Minister of state for cooperative be pleased to state the number of Sugar Mills, if any, proposed to be set up in the state during the Seventh Five Year Plan period together with the names of places where such Sugar Mills are likely to be set up?

**सहकारिता राज्य मंत्री (श्री प्यारा सिंह):** भूना, कैथल तथा गोहाना में प्रत्येक स्थान पर1250 टीसीडी क्षमता की चीनी मिलें सीापित करने का मामला राज्य सरकार/भारत सरकार के विचाराधीन था परन्तु 12–12–1986 को सातवीं योजना के अन्तर्गत नई चीनी मिलो के बारे में घोशित की गई नीति के अनुसार नए लाइसैंस 2500 टीसीडी की क्षमता के ही जारी किये जा सकते है। समितियों द्वारा आ ाय पत्र प्राप्त करने हेतू अब नये प्रार्थना पत्र दिये जाने है।

**श्री भले रामः** मंत्री महोदय ने जवाब में बताया है कि हरियाणा में भूना कैथल और गोहाना में प्रत्येक सीान पर 1250 टीसीडी क्षमता की चीनी मिलें सीापित करने का मामला भारत सरकार के विचाराधीन था लेकिन भारत सरकार ने नई चीनी मिलों के बारे में नई नीति बना ली और अब नए लाइसैंस 2500 टीसीडी की क्षमता के ही जारी किये जा सकते है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि राज्या सरकार उन्हीं ऐप्लीके ांज को नई कैपेसिटी के अनुसार रिकमैन्ड करेगी या नई ऐप्लीके ांज मांगी जाएगी और टीसीडी का मतलब क्या है?

**श्री प्यारा सिंहः** टी0 का मतलब है टन। सी0 का मतलब है कैपेसिटी और डी0 का मतलब है डेली। अब 2500 टीसीडी कैपेसिटी से कम के लिए लाइसैंस नहीं मिल सकता। इसलिए अब नई ऐप्लीके ांज लाइसैंस के लिए देनी पडेगी। नई नीति के अनुसार 2500 टीसीडी कैपेसिटी के लिए ही लाइसैंस इ ाू किए

जाएंगे। भारत सरकार की नीति को ध्यान में रखते हुए केवल भूना और कैथल सहकारी मिलें ही उपरोक्त भार्तों को पूरी कर सकती है। गोहाना भारत सरकार की नई नीति को पूरा नहीं करता।

**श्री भले रामः** क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अगर गोहाना नई नीति को पूरा नहीं करता तो क्या बाकी दोनों मिलें भार्तों को पूरा करती है?

**श्री प्यारा सिंहः** दोनों जगह भूना और कैथल सहकारी चीनी मिलें ही भार्तों को पूरा करती है।

**श्री भले रामः** क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि एक मिल और दूसरी मिल में कितना अन्तर होना चाहिए?

**श्री प्यारा सिंहः** स्पीकर साहब, एक मिल और दूसरी मिल में चालीस किलोमीटर का फासला होना चाहिए।

**श्री कंवल सिंहः** स्पीकर साहब, नई भूगर मिलों की कैपेसिटी भारत सरकार ने बढाई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यदि ऐग्जिस्टिंग भूगर मिलों पर ज्यादा लोड हो गया तो उनकी कैपेसिटी बढाने पर सरकार विचार करेगी?

**श्री प्यारा सिंहः** जो नई मिलें चालू होगी उनकी कैपेसिटी तो भारत सरकार की नीति के अनुसार ही होगी, वैसे हमारा विचार भााहबाद की मिल की कैपेसिटी बढाने का है।

**चौधरी सूबे सिंह पूनिया:** क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जींद की भूगर मिल की कैपेसिटी बढाने का कोई विचार है?

**श्री प्यारा सिंह:** स्पीकर साहब, जींद की भूगर मिल की कैपेसिटी 1250 टीसीडी है। अगर वहां पर ज्यादा गन्ना आएगा तो उसकी कैपेसिटी बढाने पर विचार किया जाएगा।

**श्री भले राम:** स्पीकर साहब, मैं पिछले पांच सालों से गोहाना के अन्दर भूगर मिल के सम्बन्ध में लडाई लडता जा रहा हूं। मिनिस्टर साहब ने अपने जवाब में बताया है कि वर्तमान यूनिट के 40 किलोमीटर के क्षेत्र में नई चीनी मिल स्ाापित करने के बारे में लाइसैंस जारी नहीं किया जाएगा। गोहाना से सोनीपत लगभग 36 किलोमीटर है। पानीपत का भी भाायद इतना ही फासला है। जींद का फासला भी गोहाना से लगभग 40 किलोमीटर से ज्यादा ही होगा। इसलिये मिल लगाने के लिये यह डिसटैन्स का कायटेरिया जो सरकार ने रखा है उचित नहीं है। जहां पर गन्ने की उपज ज्यादा हो वहां नई भूगर मिल लगाने की व्यवस्था होनी चाहिये, जैसे गोहाना से 10 किलोमीटर के अन्दर अन्दर आपको काफी गन्ना उपलब्ध हो जाएगा। इसलिये मेरा निवेदन है कि सरकार इस डिसटैन्स के कायटेरिया को बदल कर जहां गन्ना ज्यादा पैदा होता हो उस बात को मददेनजर रखते हुए नई भूगर यूनिटस लगाने का विचार करे।

**श्री प्यारा सिंहः** भारत सरकार की नयी नीति के अनुसार प्रस्तावित मिल के आसपास गन्ना काफी मात्रा में उपलब्ध होना चाहिए वरना वर्तमान यूनिट के 40 किलोमीटर के क्षेत्र में नई चीनी मिल सीापित करने के बारे में लाइसैंस नहीं दिया जा सकता। अगर गोहाना 40 किलोमीटर के अन्दर अन्दर नहीं आता तो वहां पर मिल लगाने पर विचार करेंगे।

**श्री कंवल सिंहः** स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो जींद एरिया में बौंडिड भूगर केन है उसको आप कब तक क ा करवा दोगें? मेरे हल्के में एक सिसाए गांव है वहां के किसान लगातार कई बार एमडी साहब को और मुख्यमंत्री महोदय के इस बारे में मिल भी चुके हैं कि वहां का गन्ना उठाया नहीं जा रहा है क्या सरकार इसका कोई प्रबन्ध करेगी?

**श्री प्यारा सिंहः** स्पीकर साहब, इस साल जींद में 15 लाख टन और पानीपत में 16 लाख टन गन्ना पीडा गया। आ ाा है कि इस वर्श यह क्षमता बढ कर 15 अप्रैल 1987 तक 20 लाख टन हो जाएगी। इस तरह से किसानों को किसी किस्म की दिक्कत का सामना नहीं करना पडेगा।

**चौधरी इन्द्र सिंह नैनः** स्पीकर साहब मैं आपकी मार्फत मुख्यमंत्री से यह जानना चाहता हूं कि जो मिलें पहले ही चालू हैं उन सब में आज तक कितना लाभ और कितना हानि हुई है?

**श्री प्यारा सिंहः** स्पीकर साहब, पिछले साल पलवल भाूगर मिल से 227 लाख रूपये का घाटा हुआ और इस साल यह घाटा एक करोड रह जायेगा। जींद में पिछले साल 155 लाख रूपये का घाटा और इस साल 13 लाख रूपये का नफा होने की सम्भावना है। पानीपत में पिछले साल 30 लाख का नफा हुआ और इस साल 25 लाख नफा होने की सम्भावना है। रोहतक में 1985–86 में 50 लाख नफा हुआ और इस साल 1986–87 में 60 लाख का फायदा होगा। करनाल में 1985–86 में साढे 73 लाख रूपये का नफा हुआ और इस साल 80 लाख नफा होने की सम्भावना है। सोनीपत में पिछले साल 10 लाख का नफा हुआ और 1986–87 में 40 लाख का नफा होने की आ ाा है। इसी तरह से भााहबाद में पिछले साल 149 लाख का घाटा हुआ और इस साल 60 लाख का नफा होने की आ ाा है।

**मास्टर राम सिंहः** मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जितना बौंडिड गन्ना है क्या वह सारे का सारा ले लिया जाएगा।

**श्री अध्यक्षः** यह सवाल तो नयी भाूगर मिलज खोलने के बारे में है। जायज क्वै चन पूछो तो मिनिस्टर साहब उसका जवाब भी देंगे। सारी सूचना औफ हैण्ड इनके पास कैसे हो सकती है?

**श्री नेकी रामः** अध्यक्ष महोदय, इस समय हरियाणा के अन्दर तीन नयी मिलें खोलने का सवाल जेरेगौर है। मेरा हल्का घग्गर बैल्ट में पडता है जहां गन्ना, चावल और गेंहू की उपज सब से ज्यादा होती है। जाखल टोहाना और सिरसा तक यह सारी बैल्ट एक ही है। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इस उपज को ध्यान में रखते हुए ये जो भूना में मिल लगाने का सरकार का विचार है क्या इस के सीाान पर रतिया के इलाके में यह मिल नही लगायी जा सकती? क्या इस मिल को रतिया में ि ाफट कर दिया जायेगा?

**श्री प्यारा सिंहः** स्पीकर साहब, भूना में 1250 टीसीडी गन्ना पीडने की लाइसैंस की दरखास्त दी हुई थी। इनके एरिया का गन्ना जो मिलें लगी है उनमें आ जाएगा। इनके एरिया वालों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी।

## तारांकित प्र न संख्या @1253

**श्री अध्यक्षः** यह प्र न पंजाब टैरिटरी में एसवाईएल कैनाल को प्रोग्रैस के बारे में है। इसे मैं कल के लिए डैफर करता हूं

**Construction of new roads in the State**

***1265. Chaudhri Roshan Lal Arya:** Will the Minister for Public Works (B&R) be pleased to state the constituency wise total number of new roads, if any, constructed or on which work has been started in the State during the period from 1st June, 1986 to 1st February, 1987?

**लोक निर्माण मंत्री (श्री फूल चन्द):** सूचना इकटठी करने मे ंजो समय और परिश्रम लगेगा उससे सम्भावित लाभ की प्राप्ति नहीं होगी।

**Mr. Speaker:** Question are over.

## वर्श 1987–88 का बजट पे ा करना

**श्री अध्यक्ष:** अब फाइनैंस मिनिस्टर साहब वर्श 1987–88 के लिए बजट प्रेजैन्ट करेंगे।

**वित्त मंत्री (चौधरी कटार सिंह छोकर):** माननीय अध्यक्ष महोदय और मेरे माननीय साथियो।

इस गरिमामय सदन के सामने हरियाणा सरकार के वर्श 1986–87 के बजट अनुमान प्रस्तुत करते हुए मैं अत्यन्त सम्मान एवं भाौभाग्य अनुभव कर रहा हूं।

**15.00 बजे**

हमारे प्रधानमंत्री के कु ाल नेतृत्व में गत वर्श 1986–87 भारत के आर्थिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण सीमाचिन्ह

रहा है। इस वर्श के दौरान दे ा को 2000 इसवीं के लिये तैयार करने के लिए भारत सरकार ने एक नीति अपनाई है जिसमें भरसक टैक्नोलौजी प्रयत्न एवं आयात को उदार बनाने तथा निर्यात को आकर्शक प्रोत्साहन देने का सुन्दर मिश्रण है। केंद्रीय करों की वसूली से सम्बधित म ीनरी को कारगर बनाने से केंद्रीय आय में सराहनीय बढौतरी हुई है। इसके फलस्वरूप इनमें से कुछ साधनों में राज्य का भाग भी बढ गया है।

सामाजिक–आर्थिक विकास की गति तेज करने तथा इस क्षेत्र की अ ाान्त स्थितियों की असुविधा को दूर करने के लिये प्रधानमंत्री ने सतलुज–यमूना योजक नहर परियोजना के पूरे खर्चे का जिम्मा लेने की केंद्रीय सरकार की सहमति की घोशणा की। इस पर राज्य सरकार को अन्यथा चालू वित वर्श की समाप्ति तक 200 करोड रूपये खर्च करने पडते। इसके अलावा इस वर्श प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होने वाले विभिन्न भागों में तत्काल राहत उपायों के लिये केंद्रीय सरकार ने 17.25 करोड रूपए की अतिरिक्त रा ि ा स्वीकृत की है। इसके अतिरिक्त केंद्रीय सरकार ने विभिन्न सिचाई बिजली उत्पादन क ृशि प ाुपालन जल सप्लाई ि ाक्षा चिकित्सा ि ाक्षा खेल–कूद तथा पर्यटन स्कीमों को बढावा देने के लिए भी काफी अतिरिक्त सहायता की घोशणा की है। मैं इस बहुमूल्य केंद्रीय सहायता की हृदय से सराहना करता हूं।

हरियाणा 1986–87 का आर्थिक सर्वेक्षण दस्तावेज माननीय सदस्यों के पास पहले ही है परन्तु मैं इसकी कुछ मुख्य वि ोशताओं पर प्रका ा डालना चाहूंगा।

मौसम की अनि ि चतता के बावजूद 1985–86 के दौरान राज्य की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सरसरी अनुमानों के अनुसार राज्य की आय में पिछले वर्श में चालू कीमतों पर 4654 करोड रूपये से 1985–86 में 5379 करोड रूपये होकर 15.6 करोड रूपए से 1784 करोड रूपए होकर 12.6 प्रति ात की वृद्धि हुई। राज्य की आय में पिछले वर्श की तुलना में वर्श 1984–85 में चालू कीमतों के अनुसार 10.3 प्रति ात की तथाा 1970–71 की कीमतों पर 5.4 प्रति ात की बढोतरी हुई। इस प्रकार राज्य की अर्थव्यवस्था में राज्य आन्तरिक उत्पाद की बढौतरी की दर में सराहनीय वृद्धि देखने में आई है।

पिछले वर्श की तुलना में 1970–71 की कीमतों पर आधारित राज्य आन्तरिक उत्पाद के क्षेत्रीय वितरण में 1985–86 के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में 13.2 प्रति ात द्वितीय क्षेत्र में 9.0 प्रति ात और तृतीय क्षेत्र में 14.0 प्रति ात की बढती हुई। यह महत्वपूर्ण प्रगति के रूझान को द ार्ाता है। वर्श 1984–85 में पिछले वर्श की तुलना में 1970–71 की कीमतों के अनुसार राज्य आन्तरिक उत्पाद में प्राथमिक क्षेत्र में 3.7 प्रति ात द्वितीय क्षेत्र में 8.0 प्रति ात और तृतीय क्षेत्र में 6.3 प्रति ात की वृद्धि हुई। वर्श 1970–71 की कीमतों के अनुसार वर्श 1984–85 में तृतीय वर्श में

प्रगति 496.06 करोड रूपए से 1985–86 में 565.37 करोड रूपये हो गई जो कि राज्य की आर्थिक व्यवस्था में विविधता लाने का प्रमाण है।

चालू कीमतों के अनुसार राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1984–85 में 3259 रूपए 1985–86 में हो गई, जो बढती 12.6 प्रति ात है। चालू कीमतों के अनुसार प्रति व्यक्ति आय पिछले साल के मुकाबले में 1984–85 में 7.3 प्रति ात बढ गई थी और प्रति व्यकित आय में वृद्धि की दर में प्रगति अर्थव्यवस्था की समृद्धि की सूचक है।

## कीमतें

अखिल भारतीय श्रमिक वर्ग उपभोक्त कीमत सूचकांक (आधार वर्श 1960–100) में मार्च 1985 और मार्च 1986 के बीच 8. 9 प्रति ात तथा दिसम्बर 1986 तक 7.8 प्रति ात की और बढती हुई। इसकी तुलना में हरियाणा राज्य श्रमिक वर्ग उपभोक्ता कीमत सूचकांक (आधार वर्श 1972–73–100) में मार्च 1985 से मार्च 1986 तक 8.5 प्रति ात की वृद्धि हुई और दिसम्बर 1986 तक 5.9 प्रति ात तक की और बढौतरी हुई। इस प्रकार राज्य सरकार आव यक वस्तुओं की मांग तथा पूर्ति के बीच सूक्ष्म सन्तुलन बनाए रखकर कीमतें काबू में रख सकी है। हमारे यहां उचित मूल्य की 6400 से अधिक दुकानों का जाल बिछा हुआ है जिनमें से 4600 से अधिक ग्रामीण क्षेत्र में है। ये उचित मूल्य की दुकानें

राज्य के लोगों को बढिया किस्म की दालें, चीनी, चाय, नमक, मिटटी के तेल तथा कापियां जैसी आव यक वस्तुओं की सप्लाई सुनि चत कर रही हे। इन उचित मूल्य की दुकानों का स्थान इस प्रकार नियत किया गया है कि श्रमिक बस्तियों के निवासियों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गो को पूरा लाभ मिल सके।

## पूंजी निर्माण

सरकार की बजट व्यवस्था, सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों में पूंजी निर्माण के लिए बचत करके तथा उसे पूंजी परिसम्पतियों में लगाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य सरकार के वर्श 1986–87 के बजट अनुमानों के आर्थिक प्रत्यक्ष मांग 184 करोड रूपए हो गई। इसके अतिरिक्त 174 करोड रूपये की एक और रा ि ा निजी तथा सार्वजनिक क्षे त्रों के प्रति राज्य के अं ादान के रूप में निर्धारित की गई। इस प्रकार चालू वित्त वर्श के दौरान 358 करोड रूपए की कुल पूंजी के निर्माण का अनुमान है जो कि पिछले वित्त वर्श की तुलना में 7 प्रति ात अधिक है।

## सातवीं पंच–वर्शीय योजना

सातवीं पंचवर्शीय योजना (1985–90) के लिए 2900 करोड़ रूपये के खर्च की व्यवस्था की गई है। इस योजना का उद्दे य आर्थिक प्रगति तथा आय और धन का समतावादी वितरण, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता तथा श्रम की उत्पादकता में वृद्धि करना हैं। कृशि तथा औद्योगिक क्षेत्रों के लिए बिजली का

अधिक महत्व मानते हुए, इस क्षेत्र के लिए कुल योजना खर्च का 34.8 प्रति ात भाग रखा गया है। अर्थ–व्यवस्था के भूमि प्रधान स्वरूप को ध्यान में रखते हुए, सिंचाई तथा बाढ़ की रोकथाम के लिए, योजना खर्च का 20.5 प्रति ात रखा गया है जबकि कृशि तथा उससे सम्बन्धित क्षेत्र के लिए 8.2 प्रति ात रा ि ा खर्च होगी। मानव संसाधनों तथा विकास में घनिश्ठ सम्बन्ध मानते हुए, खर्च का 19.2 प्रति ात भाग सामाजिक सेवाओं के लिए रखा गया है जिसमें ि ाक्षा के लिए 4.75 प्रति ात रा ि ा भाामिल है। परिवहन क्षेत्र को कुल खर्च का 6.9 प्रति ात मिलेगा। योजना से राज्य आन्तरिक उत्पाद में 6 प्रति ात की दर से वार्शिक प्रगति होने की संभावना है।

## वार्शिक योजना 1986–87

वर्श 1986–87 की वार्शिक योजना के लिए 525 करोड़ रूपए खर्च रखा गया था। सामाजिक आर्थिक विकास की गति में तेजी लाने के लिए अब इस रा ि ा को बढ़ाकर 569.62 करोड़ रूपये कर दिया गया है। वार्शिक योजना के अन्तर्गत सिंचाई तथा बाढ़ नियन्त्रण पर 182.47 करोड़ रूपये की रा ि ा के खर्च किए जाने की संभावना है। इसमें 90 करोड़ रूपए सतलुज यमुना योजना नहर के लिए, 166.69 करोड़ रूपए बिजली उत्पादन के लिए, 14.72 करोड़ रूपए कृशि तथा उससे सम्बन्धित क्रियाकलापों के लिये, 14.27 करोड़ रूपए ग्रामीण विकास के लिए, 35.34 करोड़ रूपए परिवहन तथा संचार के लिए तथा 92.82 करोड़ रूपये

सामाजिक सेवाओं के लिए भाामिल हैं। इस प्रकार सरकार अर्थ–व्यवस्था की संतुलित प्रगति करना चाहती है।

## बीस सूत्री कार्यक्रम

राज्य सरकार बीस सूत्री कार्यक्रम को लागू करने के लिए भरसक प्रयत्न कर रही है। समाज के कमजारे वर्गों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए, 51075 नये परिवारों को अप्रैल 1986 से जनवरी 1987 क आय के सहायक साधन प्रदान किए गए हैं जिनमें अनुसूचित जातियों के 35523 परिवार भाामिल हैं इसके अतिरिक्त 9064 पुराने परिवारों को सहायता की दूसरी कि त प्रदान की गई है जिसमें अनुसूचित जातियों के 3758 परिवार भाामिल हैं। इसी अवधि के दौरान, राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम तथा ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारन्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत 21.39 लाख श्रम दिनों का रोजगार पैदा किया गया है। 360 ग्रामों को पीने का पानी सप्लाई किया गया है और आ ाा है कि 504 ग्रामों का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। 10,000 पंप सैटों को बिजली देने के नि ाने के मुकाबले में पहली जनवरी, 1987 तक ही 10,138 पंप सैटों को बिजली पहुंचा दी गई थी और अब नि ाना 25,000 तक बढ़ा दिया गया हैं। वर्श के पहले दस महीनों के दौरान, 725 लाख वृक्षों के नि ाने के मुकाबले मं 643.90 लाख वृक्ष लगाए गए हैं। परिवार कल्याण कार्यक्रम को लागू करने के लिए, 59308 नसबन्दी आप्रे ान किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 2541 व्यक्तियों को मकानों के लिए

जगह दी गई है और प्रारम्भिक शिक्षा को व्यापक बनाने के कार्यक्रम के अधीन 6 से 14 वर्श के आयु वर्ग के 23.79 लाख बच्चों को दाखिल करने के प्रगतिशील लक्ष्य के मुकाबले में, दिसम्बर, 1986 तक 23.70 लाख बच्चे दाखिल किए गए है। इस प्रकार राज्य ने, बीस सूत्री कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

## वार्शिक योजना 1987–88

वर्श 1987–88 की योजना के लिए, खर्च 585.75 करोड़ रूपए नियत किया गया है। बिजली उत्पादन तथा सिंचाई और बाढ़ नियन्त्रण को विशेश महत्व देते हुए 195.04 करोड़ रूपये तथा 162.75 करोड़ रूपए का खर्च प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त कृशि तथा उससे सम्बन्धित क्रियाकलापों के लिए 47.72 करोड़ रूपए, ग्रामीण विकास के लिए 13.36 करोड़ रूपए, परिवहन तथा संचार के लिए 30.86 करोड़ रूपए और समाज सेवाओं के लिए 113.23 करोड़ रूपए के खर्च का प्रस्ताव है।

## सिंचाई

सिंचाई खेती बाड़ी की रीढ़ की हड्डी है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, सतलुज–यमुना योजक नहर परियोजना को छोड़कर बड़ी तथा मंझली कृशि परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 49.44 करोड़ रूपए के खर्च का प्रस्ताव हैं। पानी के रिसाव की हानि को घटाकर जल–व्यवस्था में सुधार लाने के लिए, विशेश

बैंक की सहायता से नहरों को आधुनिक बनाने पर 19.92 करोड़ रूपए खर्च किए जाएंगे। ऐसा अनुमान हैं कि इस परियोजना के पूरा होने पर दो लाख हैक्टेयर की अतिरिक्त सिचाई हो सकेगी। राज्य के बंजर तथा असमतल क्षेत्रो में उठान सिंचाई जुटाने हेतु इस समय जवाहर लाल नेहरू नहर तथा लोहारू उठान सिंचाई योजना के चल रहे कार्य के लिए 9.5 करोड़ रूपए की रा ि। रखने का प्रस्ताव हैं। इसमके अतिरिक्त बंजर क्षेत्रों में छिड़काव सेटो पर एक करोड़ रूपये की रा ि। खर्च करने का प्रस्ताव हैं। इस प्रकार 1987–88 के दौरान 53000 हैक्टेयर से अधिक अतिरिक्त सिंचाई क्षमता पैदा करने का प्रस्ताव हैं।

## बाढ़ नियन्त्रण

बाढ़–नियन्त्रण तथा सेम रोकने के उपायों के लिए 13 करोड़ रूपए रखे जा रहे हैं। मसानी में सहिबी बांध के निकट भविश्य में पूरे होने की संभावना है अगले वित्त वर्श के दौरान खारा, छुड़ानी तथा बहादुरगढ़ नालों के पूरे किए जाने तथा रोहतक के निकट लाला संख्या 8 की क्षमता 1000 क्यसेक से बढ़ाकर 1650 क्यूसेक करने का प्रस्ताव हैं। बाढ़ो की चपेट में आने वाले 18.5 लाख हैक्टेयर के कुल क्षेत्र में से 1987–88 के अन्त तक 16 लाख हैक्टेयर के बचाव की आ ा हैं।

## सतलुज यमुना योजक नहर परियोजना

रावी व्यास जल प्रणाली का अपना हिस्सा प्राप्त करने के लिए सतलुज यमुना योजक नहर हमारे राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। नहर की कुल लम्बासई लगभग 200 किलोमीटर होगी जिसमें से हरियाणा में आने वाली 92 किलोमभ्टर पहले ही पूरी कर ली गई हैं। जैसा कि पहले बताया गया हैं, केन्द्रीय सरकार इस परियोजना का सारा खर्च पूरा करना मान गई हैं। हमारे राज्य के लिए यह एक बहुत बड़ा लाभ हैं क्योंकि नहर के पंजाब के भाग को पूरा करने में देरी के कारण परियोजना का बढ़ रहा हैं खर्च हमारे साधनों पर गम्भीर बोझ डाल रहा था। सतलुज यमुना योजक नहर के लिए 1987–88 के दौरान 71.40 करोड़ रूपए रा ि ा रखने का प्रस्ताव हैं। केन्द्रीय सरकार से, नहर के निर्माण का कार्य अपने हाथ में लेने तथा इसे भीघ्र संपन्न कराने के लिये अनुरोध किया गया हैं।

## बिजली

राज्य सरकार बिजली उत्पादन बढ़ाने और उसे पहुंचाने तथा बांटने की प्रणाली को सुधारने के लिये जोरदार प्रयत्न कर रही हैं। इस उद्दे य हेतु वार्शिक योजना के लिए कुल खर्च का 34 प्रति ात भाग बिजली क्षेत्र पर किए जाने का प्रस्ताव हैं। वर्श 1986–87 के दौरान यमुनानगर पन–बिजली परियोजना के 8 मेगावाट वाले 2 यूनिट चालू किए गए हैं और दो यूनिट निकट वर्श में चालू किए जाने हैं। इसके अतिरिक्त 8 मैगावाट वाले 2 और यूनिट वर्श 1987–88 के दौरान लगाए जाने की भी संभावना

हैं। इसके साथ ही पानीपत प्लांट में 110 मेगावाट चौथा यूनिट का एक समय भी आरम्भ किया गया हैं और इसके वाणिज्यिक उत्पादन के भीघ्र ही प्रारम्भ होने की संभावना हैं। 210 मेगावाट के पांचवे यूनिट का बहुत सा कार्य 1987–88 के दौरान पूरा कर लिया जाएगा। यमुनानगर थर्मल बिजली परियोजना पर निर्माण कार्य भी भुरू किए जाने की संभावना हैं नलकूपों को बिजली पहुंचाने के क्षेत्र में आगामी वित्त वर्श के लिये 20000 नलकूपों को बिजली प्रदान करने का बड़ा लक्ष्य रखने का प्रस्ताव हैं इस प्रकार राज्य सरकार, राज्य की अर्थ व्यवस्था के कृशि व्यवस्था के कृशि औद्योगिक वाणिज्यिक और घरेलू क्षेत्रों को बिजली जुटाने की व्यापक नीति का अनुसरण कर रही हैं।

## कृशि

किसानों हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय, हिसार तथा राज्य सरकार के निश्ठापूर्वक प्रयत्नों को ध्यान में रखते हुए, यह राज्य राश्ट्र के खाद्य भण्डार में लगभग 5.4 प्रति ात का योगदान करता हैं जबकि इसके पास दे ा के कुल कृशि अधीन क्षेत्र का केवल 1.94 प्रति ात भाग हैं। राज्य को पिछले वर्श पतझड़ मौसम मं अभूतपूर्व सूखे का सामना करना पड़ा।राज्य को पिछले वर्श पतझड़ मौसम में अभूतपूर्व सूखे का सामना करना पड़ा। सीलन के अभाव के कारण अनाज की फसलों वि ोशकर बाजरे को भारी नुकसान पंहुचा। सूखा पीड़ित किसानों की सहायता के लिए राज्य सरकार ने राज्य भर में रबी बीज पर 25 प्रति ात की दर से

रियायत देने के लये एक करोड़ रूपये पहले ही स्वीकृत कर दिये हैं। गेहूं संबन्धी घासपात ना ाक दवाइयों की लागत में 50 प्रति ात की दर से रियायत देने के लिये 111.72 लाख रूपये की रा ि ा रखी गई हैं। रासयनिक खादों को 25 प्रति ात की दर से सस्ते दामों पर उपलब्ध कराने के लिए 2.50 करोड़ की रा ि ा खर्च की जा रही हैं, जिसमें से अत्यधिक सूखा ग्रस्त जिलों में अधिक सहायता 165 रूपए प्रति किसान होगी। वर्श 1987–88 के दौरान अनाजों का 81.80 लाख टन का लक्ष्य से 5.3 प्रति ात अधिक हैं। वर्श 1987–88 के दौरान अनाजों का 81.00 लाख टन का लक्ष्य नि ि चत किए जाने का प्रस्ताव हैं जो पिछले वर्श के लक्ष्य से 5.3 प्रति ात अधिक हैं। वर्श 1987–88 के दौरान 27.65 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को अधिक से अधिक उपज देन वाली किस्मों के अधीन लोन का प्रंस्ताव हैं। पोशक तत्वों वाली खाद की खपत को 4.47 लाख टन और तिलहन का 2.97 लाख टन किए जाने का प्रस्ताव हैं। गन्ने का उत्पादन 7 लाख टन और तिलहन का 11.1 प्रति ात और 13.4 प्रति ात अधिक हैं जो कि 1986–87 के लक्ष्यों से 11.1 प्रति ात और 13.4 प्रति ात अधिक हैं। इन बढ़े हुए लक्ष्यों को पूरा करने के लिये प्रति यूनिट क्षेत्र की उपज को उत्तम खेती की प्रणालियों तथा उपयोगी पदार्थो के संतुलित प्रयोग से बढ़ाने का प्रस्ताव हैं। विभिन्न फसलें उगाने में किसानों की तकनीकी क्षमता में सुधार का प्रस्ताव हैं। विभिन्न फसलें उगाने में किसानों की तकनीकी क्षमता में सुधार लाने का वि व बैंक के विस्तार परियोजना चरण 2 को पूरे उत्साह से लागू किया जाएगा।

भुश्क खेती तथा सब्जी की फसलों को बढ़ावा देने के लिए गुडगांव, महेन्द्रगढ़ तथा भिवानी जिलों के चुने हुए खण्डों में इटली सरकार द्वारा सहायता प्राप्त परियोजना को लागू किया जा रहा हैं जो वर्श 1987–88 के दौरान जारी रखी जाएगी। आगामी वित्त वर्श के दौरान फलदार, फसलों के अन्तर्गत 1000 हैक्टेयर अतिरिक्त भूमि लाई जाएगी जिससे कृशि उत्पादन मं विविधता आएगी। इस वर्श के दौरान हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय हिसार कृशि इंजीनियरी उपाधि पाठ्यक्रम भुरू करने जा रहा है।

## भाण्डागार तथा विपणन

हरियाणा भाण्डागार निगम का आगामी वित्त वर्श के दौरान 93500 मीटरी टन की भण्डार भाक्ति बढ़ाने का प्रस्ताव हैं। हरियाणा भूमि सुधार तथा विकास निगम द्वारा ''कल्लर'' भूमि का सुधार काने के लिए 60000 मीटरी टन जिप्सम रियायती दामो पर बांटने की संभावना हैं । आ ाा है ंकि हरियाणा बीज निगम 1987–88 के दौरान लगभग 1.98 लाख क्विटल बढ़िया बीज बांटेगा। हरियाणा राज्य कृशि मार्कीटिंग बोर्ड द्वारा लगभग 48000 मीटरी टन की भण्डार क्षमता बढ़ाने और चार नई विनियमित मण्डिया, 15 प्रांगण और 15 खरीद केन्द्र विकसित करने की संभावना हैं।

## ग्रामीण विकास

राज्य की अर्थ–व्यवस्था भूमि–प्रधान होने के कारण, ग्रामीण विकास, प्रगति की नीति का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अधीन आगामी वर्श के दौरान 6.74 करोड़ रूपये के खर्च करने का प्रस्ताव हैं। रेगिस्तान विकास कार्यक्रम के अर्न्तगत वर्श 1987–88 में जिला भिवानी, रोहतक, हिसार तथा सिरसा में 3.1 करोड़ रूपये की रा ि ा खर्च करने का प्रस्ताव हैं। सूखे की संभवना वाले क्षेत्र संबधी कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला महेन्द्रगढ़ में 1.36 करोड़ रूपये की रा ि ा खर्च करने का प्रस्ताव हैं। ये दोनो कार्यक्रम ही क्षेत्र–आधारित कार्यक्रम हैं जिनका उद्दे य भूमि की उत्पादकता बढ़ाने से रेगिस्तान/सूखे की संभावना वाले क्षेत्रों का समन्तिवत विकास करना और वहां के निवासियों को आय के सहायक साधन उपलब्ध कराना हैं। राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के अधीन आगामी वर्श के लिए ग्रामीण क्षेत्रों मे कम रोजगार वालो/बेंरोजगार के लिये 15 लाख श्रम–दिनों का कार्य पैदा करने के लिए 4.47 करोड़ रूपए के खर्च का प्रस्ताव हैं। ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारन्टी कार्यक्रम के अधीन लगभग 5.5 करोड़ रूपए के खर्च से 13.06 लाख श्रम दिनो का कार्य पैदा करने का प्रस्ताव हैं। इसके अतिरिक्त, मेवात क्षेत्र के लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए आगामी वर्श के दौरान 2.5 करोड़ रूपये की रा ि ा खर्च करने का प्रस्ताव हैं।

## खाद्यय तथा पूर्ति

खाद्य तथा पूर्ति विभाग, हैफेड और हरियाणा भाण्डागार निगम द्वारा अनाज भारत सरकार द्वारा घोशित समर्थन मूल्यों पर प्राप्त किया जाता हैं ताकि किसानों को अपनी उपज के उचित दाम प्राप्त हों। ये एजेंसिया 1986–87 के दौरान अब तक गेहू की 23.36 लाख टन की रिकार्ड मात्रा प्राप्त कर चुकी हैं। वास्तव में, हम इतने अधिक अनाज की प्राप्ति को पूरा करने में सहायता प्रदान के लिये भारत सरकार, भारत रिजर्व बैंक तथा भारतीय खाद्य निगम के आभारी है।

## प ुपालन

प ुओं के लिए बढ़िया स्वास्थ्य जुटाने हेतु–राज्य सरकार का 1987–88 के दौरान 30 प ु चिकित्सा तथा एक पालीक्लिनिक खोलने का प्रस्ताव हैं। आगामी वर्श में, 4000 परिवारों को मुर्गी पालन, सुअर पालन, भेडों और बछड़ो के पालन योजना के अधीन, अनुसूचित जातियों के परिवारों को मेंढ़े तथा बढ़िया नस्ल के सूअर तथा मुफ्त प ु–चिकित्सा मुहैया करने के लिये 161.5 लाख टन दूध 23.5 करोड़ अण्डे तथा 10.5 लाख किलोग्राम ऊन के उत्पादन के लक्ष्यों का प्रस्ताव हैं

## मछली पालन

मछली पालन का विकास खेहिर वर्ग की आय बढज्ञने का एक महत्वपूर्ण साधन हैं। वर्श 1987–88 के लिए 165 लाख रूपये के खर्च का प्रस्ताव हैं। नील क्रांति की सुदृढ़ नीव रखने के

लिए इस खर्च से 350 लाख बढ़िया मछली बीज तथा 16500 टन मछली के अत्पादन का लक्ष्य हैं। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये 2.46 लाख श्रम–दिनों का रोजगार पैदा होने की संभावना हैं।

**वन**

राज्य का कम प्रति ात भूमि–क्षेत्र बनों के अधीन होने के बावजूद राज्य ने वृक्षारोपण खेतों की मेंड़ों पर पेड़ लगाने, रेल पटरियों सड़को और नहरों के साथ बंजर भूमियों के उपयों द्वारा और रेत के टीलों के स्थिरी–करण तथा बरसाती पानी के सदुपयोग द्वारा भमि संरक्षण मं प्रभाव ाली प्रगति की हैं। वर्श 1987–88 के दौरान 21600 हैक्टेयर अतिरिक्त भूमि वनों के अधीन लाने का प्रस्ताव हैं। आगामी वित्त वर्श के दौरान वृक्षरोपण और अन्य जीव परिरक्षण पर 20 करोड़ रूपए से अधिक खर्च करने का प्रस्ताव है।

**सहकारिता**

सहकारिता अभियान ने ऋण की व्यवस्था से लेकर अपने कार्यकलाप कृशि उत्पादन के लिए पदार्थ जुटाने प्रसंस्करण विपणन आवास तथा उद्योग तक विस्तृत करके हरियाणा के सामाजिक–आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। यह प्रस्ताव हैं कि 1987–88 के दौरान सहकारी उधार तथा सेवा सोसाइटियां 239 करोड़ रूपए के कर्जे देंगी। भवेत क्रांति को बढ़ावा देने के लिये 1987–88 के दौरान, डेरी विकास स्कीमों को

क्रियान्वित करने के लिए 108 लाख रूपए खर्च करने का प्रस्ताव हैं। इन निधियों को आप्रे ान फलड 2 को कार्यन्वित करने के लिए हरियाणा डेरी विकास सहकारी भूमि विकास बैंक आगामी वित्त वर्श के दौरान 70 करोड़ रूपए तक का ऋण देगा। आगामी वर्श के दौरान, सहकारिता आवास सोसाइटियों द्वारा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के लिए 1000 मकान बनाने का प्रस्ताव हैं। हैफेडे, जो माल्ट प्लांट की सिपना कर रहा हैं। विपणनप एवं प्रसंस्करण सोसाइटियों द्वारा आगामी वर्श के दौरान एक और चावल मिल लगाई जाएगी। कन्फेड द्वारा 3 करोड़ मीटरी टन की क्षमता वाली आटा मिल लगाने की संभावना हैं। वर्श 1987–88 के सम्बन्ध में, सहकारिता विभाग के लिए 685 लाख रूपए के खर्च का प्रस्ताव हैं।

## उद्योग

राज्य सरकार कृशि के क्षेत्र मे अपनी उपलब्यिों को बढ़ाने के लिए उद्योगीकरण के लिए भरसक प्रयत्न कर रही हैं। औद्योगिक इकाइयों को दी गई बिक्री स्थगन केन्द्रीय तथा राज्य के पिछड़े क्षेत्रों वाले अंचल ''क'' की इकाइयों को 9 वर्श के लिए अंचल ''ख'' की इकाइयों को 7 वर्श तथा अंचल ''ग'' की इकाईयों को 5 वर्श के लए उपलब्ध होगा। अंचल ''ग'' फरीदाबाद तथा बल्लभगढ़ क्षेत्र भामिल होंगे। भोश क्षेंत्र अंचल ख में होगे। राज्य सरकार ने जिला रोहतक तथा झज्जर तहसीलों को हाल ही में पिछड़ा क्षेत्र घोशित किया हैं। सरकार उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों

तथा 100 प्रति ात निर्यात उन्मुखी इाकईयों को बढ़ावा भी देना चाहती हैं वर्श 1987–88 के दौरान, ग्रामीण उद्योगीकरण स्कीम के अधीन, 4050 नई इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव हैं और इनसे 12150 व्यक्तियों के लिए रोजगार पैदा होने की संभावना हैं। एक तेल ाोधक कारखाना करनाल में 1500 करोड़ रूपए से अधिक पूंजी खर्च से संयुक्त क्षेत्र में लगाा जा रहा हैं। भारत इलैक्ट्रोनिक्स पंचकूला पूंजी खर्च से संयुक्त क्षेत्र में लगाया जा रहा हैं। राज्य सरकार मं 21 करोड़ रूपए की दूर–संचार परियोजना लगा रहा हैं। राज्य सरकार इलैक्ट्रिोनिक उद्योग की और वि ोश ध्यान दे रही है। इस प्रयोजन के लिये 130 लाख रूपये की रा ि ा रखने का प्रस्ताव हैं। सरकारी विभागों ताि सार्वजनिक–क्षेत्र उपक्रमों मं कार्यकु ालता बढ़ाने के लिए हरट्रान द्वारा राज्य मं कम्प्यूटरों का जाल बिछाने का प्रस्ताव हैं। वर्श 1987–88 के दौरान, उद्योग विभाग के लिए 10 करोड़ रूपए खर्च करने का प्रस्ताव है।

## औद्योगिक प्र ि ाक्षण तथा व्यावसायिक ि ाक्षा

राज्य सरकार औद्योगिक प्र ि ाक्षण तथा व्यवसायिक ि ाक्षा पर जोर दे रही हैं ताकि जनसंख्या का एक बड़ा भाग निजी रोजगार अपना सके। वर्श 1987–88 के दौरान नए व्यवसाय आरम्भ करने, इलैक्ट्रानिक्स ताि अन्य व्यवायों में अतिरिक्त सीटे जुटाने और औद्योगिक प्र ि ाक्षण संस्थानों में उपकरणों का स्तर बढ़ाने के लिए 2 करोड़ रूपए से अधिक रा ि ा खर्च करने का

प्रस्ताव हैं। राज्य के व्यवसायिक ि ाक्षा संस्थान 10, 12 ि ाक्षा पद्धति को लागू करने में सहायता दे रहे हैं। आगामी वर्श में 13 नए व्यवसायिक ि ाक्षा संस्थानों तथा एक अध्यापक प्रि ाक्षण संस्थान के लिए 2.50 करोड़ रूपए खर्च करने का प्रस्ताव हैं।

## विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, दूरस्थ आभास, ऊर्जा के गैर परम्परागत साधनों अनुसंधान तथा विकास एव उद्मकर्ता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी–स्नाातकों के लिए पथ–प्रद र्ाक की भूमिका निभा रहा हैं। केन्द्र अहमदाबाद के सहयोग से फसल उत्पादन सम्बन्धी पूर्व–सूचना तथा उत्य दूरस्थ आभास वैज्ञानिक उपयोगों के यि हसिार में स्ाापित किया जा रहा हैं। वर्श 1987–88 के दौरान अन्तर–सक्रिय कम्प्यूटर प्रणली तथा हरसैक भवन निर्माण के लए 60 लाख रूपए की रा ि ा खर्च करने का प्रस्ताव है समन्वित ग्रामीण ऊर्जा योजना कार्यक्रम को अगामी वित्त वर्श के दौरान दो और खण्डों तक विस्तारित किया जाएगा। इस कार्यक्रम पर 50 लाख रूपए की रा ि ा खर्च करने का प्रस्ताव हैं। फोटोवोल्टायक सड़क प्रका ा व्यवस्था, सौर कुकरो, फोटो बोल्टायक सिंचाई पम्प सैटो, सामुदायिक बायो–गैस संयंत्रो तथा अन्य गैर–परम्परागत ऊर्जा साधनों के प्रयोग का प्रद र्ान करने क लिए जिला सोनीपत के विधलान तथा जिला भिवानी में पालूवास नामक दो अन्य ''ऊर्जा ग्रामों'' को लेने को प्रस्ताव हैं। इन गावों पर 15 लाख रूपए की रा ि ा खर्च की जाएगी। अगामी वर्या के

दौरान, विज्ञान तथ प्रौद्योगिकी विभाग, गैर परम्परागत ऊर्जा साधन विभाग, भारत सरकार, तथा हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के सहयोग से, मोती लाल नहेहरू खेल–कूद विद्यालय राई में 20 किलोवाट क्षमता वाला एक सौर फोटोवोल्टायक ऊर्जा संयंत्र लगाएगा।

**पर्यावरण नियन्त्रण**

उचित परिवे ा संबंधी सन्तुलन बनाए रखने को महत्व देते हुए, 1984 में राज्य में पर्यावरण विभाग की सपिना की गई। जल बोर्ड तथा भूमि उपयोग बोर्ड इस विभाग के प्र ासनिक नियंत्रण में हैं। वर्श 1987–88 के दौरान पर्यावरण के लिए 90 लाख रूपए रखने का प्रस्ताव हैं।

**सड़के**

हरियाणा में योजक सड़को का महत्वपूर्ण जाल बिछा हुआ हैं जिनसे प्रत्येक गांव मुख्य सड़को से जुड़ा हुआ हैं। वर्श 1987–88 के दौरान नई सड़के बनाने के लिए 5.2 करोड़ रूपए खर्च करने का प्रस्ताव है। कुरूक्षेत्र और करनाल में सड़क उपरिपुलों के पूरे होन की सम्भावना हैं। करनाल और मेरठ को मिलाने वाले यमुना नदि परएक बड़े पुल की मंजूरी भारत सरकार द्वारा दे दी गई हैं और मुख्य मंत्री द्वारा हाल ही में उसकी नीव रखी गई हैं। भरत सरकार ने लगभग 40.16 करोड़ रूपए के अनुमानित खर्च पर सुरथल से करनाल तक भोर ाह सूरी मार्ग

राश्ट्रीय राजमार्ग सं0 1 को चार लाइनों वाला बनाने की योजना को भी अन्तिम रूप से मंजूरी दे दी है। इसके अतिरिक्त वि व बैको मि ान टीम ने फरवरी, 1987 मं राज्य का दौरा किया और वह भोर ााह सूरी मार्ग को 130 कि0मी0 स 212.16 कि0मी0 हरियाणा/पंजाब सीमा सीमा तक चार लाइनों वाला बनाने का काम पूरा करने की सिफारि ा करने के लिए सहमत हो गई है।

**परिवहन**

हरियाणा परिवहन दे ा में सबसे अग्रणी परिवहन उपक्रमों में से एक हैं। यह प्रतिदिन 11 लाख यात्री उठाता हैं और 9 लाख कि0मी0 से अधिक दूरी तय करता है। वर्श 1987–88 के दौरान इस पर 13 करोड़ रूपये के खर्च का प्रस्ताव हैं। इसमें से 322 बसे ंबदलने के लिए 10.47 करोड़ रूपए खर्च करने का प्रस्ताव हैं।

आधुनिक नए बस कर्म ााालाएं तथा पंक्ति आश्रय–सिल बनाने पर 1.8 करोड़ रूपये की रा ि ा खर्च होने की संभावना हैं। अगामी वर्श के दौरान कर्म ााालाओं के आधुनिकीरण के लिए 30 लाख रूपए का प्रस्ताव हैं। अगले वर्श 10 लाख रूपये की लागत से एक नई कम्प्यूटरीकरण स्कीम आरम्भ करने की योजना है। पुलिस विभाग, हरियाणा के अराजपत्रित कर्मचारियों को केवल 20 रूपये प्रतिमास के नाममात्र भुगतान पर प्रथम जनवरी, 1987 से हरियाणा परिवहन की बसों मे यात्रा करने की अनुमति दी गई हैं।

## ि ाक्षा

राज्य सरकार मानव संसाधन विकास की सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। प्राथमिक ि ाक्षा को व्यापक बनाने के उद्दे य से, 1987–88 के दौरान मुख्य रूप से लड़कियों के लिए 100 नए प्राथमिक विद्यालय खोलने का प्रस्ताव हैं। वर्श 1987–88 के दौरान 94 विद्यालय भवन और 18 रिहाय ाी क्वार्टर पूरे करने के लिए 160 लाख रूपए की व्यवथा की गई हैं। वर्श 1987–88 के दौरान, 100 प्राथमिक विद्यालयों का दर्जा बढ़ाकर मिडल विद्यालय, 50 मिडल विद्यालयों उच्च विद्यालयों का दर्जा बढ़ाकर मिडल विद्यालय, 50 मिडल विद्यालयों का दर्जा बढ़ाकर उच्च विद्यालय तथा 25 उच्च वि़द्यालयों का दर्जा बढ़ाकर सीनियर माध्यमिक विद्यालय 10 व 12 प्रणाली बनाने का प्रस्ताव हैं। 2.26 लाख प्रौढ़ो को अक्षर–ज्ञान देने के लिए अगले वर्श के दौरान प्रौढ़ ि ाक्षा केन्द्र खोलने का प्रस्ताव हैं। नई ि ाक्षा नीति को लागू करने के लिए, अगले वर्श दो जिला ि ाक्षा संस्थान आरम्भ करने की सम्भावना हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में छः नवोदय विद्यालय खोलने का प्रस्ताव हैं। उच्चतर ि ाक्षा के क्षेत्र में, एक और राजकीय महाविद्यालय खोलने का प्रस्ताव हैं। राश्ट्रीय ि ाक्षा योजना तथा प्र ाासन संस्थान द्वारा स्वायत्त महाविद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय, गुड़गांव को आद र्ा महाविद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय, गुडगांव को आद र्ा महाविद्यालय के रूप में

अपनाया गया हैं। उप मण्डलीय स्तर पर तीन और पुस्तकालय खोलने का विचार है। प्राइवेट महाविद्यालयों का 95 प्रति ात खर्च राज्य द्वारा अनुदारन के रूप में पहले ही पूरा किया जा रहा है। अब राज्य सरकार ने प्रथम दिसम्बर, 1985 से राज्य में वि वविद्यालयों तथा राजकीय और प्राइवेट महाविद्यालयों के ि ाक्षण अमले को अन्तरिम राहत की दो कि तें भी मजूंर की हैं वर्श 1987–88 के दौरान उर्दू को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा उर्दू अकादमी को 10 लाख रूपए का अनुदान देने का प्रस्ताव हैं इस प्रकानर राज्य सरकार राज्य में ि ाक्षा के प्रचार के लिए व्यापक नीति अपना रही हैं

## स्वास्थ्य तथा चिकित्सा ि ाक्षा

राज्य में वि ोश रूंप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओ के विस्तार और सुधर के लिए सरकार निरन्तर प्रयत्न कर रही हैं। इस उद्दे य हेतु 1987–88 के दौरान 150 उपकेन्द्र 50 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सीापित करने का प्रस्ताव हैं। चार और जिलों को व्यापक प्रतिरक्षण कार्यक्रम के अधीन लाने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार ने हाल ही में 1985–86 के दौरान परिवार कल्याण कार्यक्रम में सर्वोत्तम कार्य के लिए 2.5 करोड़ रूप्ए का नकद पुरस्कार प्राप्त किया हैं। कुश्ठ रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अधीन एक नमूना सर्वेक्षण एवं निर्धारण यूनिट स्थापित करने का

प्रस्ताव है। वर्श 1987–88 के दौरान स्वास्थ्य तथा चिकित्सा ि ाक्षा के लिए 12.13 करोड़ रूपए खर्च करने का प्रस्ताव हैं।

सरकार, राज्य के लोगों को अत्यधिक उन्नत चिकित्सा सुविधांए देने का भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इस उद्दे य से सरकार ने मैडिकल कालेज, रोहतक में सुधार लोन को अउच्च प्राथमिकता दी हैं , जिसे अब दर्जा बढ़ाकर स्नातकोत्तर संस्थान के स्तर का बना दिया गया हैं। उच्च कोटि के डाक्टरों को अकर्शित करने के लिए, उसकै संकाय के सदस्यों क वेतन मान पी0 जी0 आई0, चण्डीगढ़ के सदस्यों के बराबर कर दिए गए हैं। कार्डियोलाजी कार्डियक सर्जरी, गैस्ट्रएन्ट्रोलाजी और न्यूरोलाजी विभाग आरम्भ कर दिए गए हैं और अगले वश्र से उनपके कार्य आरंभ कर देने की संभावना हं। कैसर की चिकित्सा के लिए सम्पूर्ण भारीर के कैट स्कैन तथा कोबाल्ट थेरापि यूनिट जै परिश्कृ त उपकरण प्राप्त करने का प्रस्ताव हैं। आगामी वित्त वर्श के दौरान महाविद्यालय में विकीरण चिकित्सा में एम0 डी0 और मनोरोगविज्ञान में विकिरण चिकित्सा में एम0 डी0 और मनोरोगविज्ञान में एम0 डी0 आरम्भ होने की भी संभावना हैं।

भारतीय चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने की दृश्टि से 1987–88 के दौरान 30 लाख रूपए खर्च करने का प्रस्ताव हैं। आगामी वर्श के दौरान 20 नए आयुर्वेदिक चिकित्सालय खोलने की संभावना हैं।

## तकनीकी ि ाक्षा

मानव संसाधन विकास के लिए राज्य की नीति में तकनीकी ि ाक्षा का महत्वपूर्ण स्थान हैं। आ ाा हैंकि 1987–88 के दौरान मुरथल में नया राज्य इंजीनियरगि महाविद्यालय अपने प्रांगण मं नियमित ि ाक्षण कंक्षाएं आरम्भ कर देगा। इंजीनियरिंग में डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम वाले बहुत से नए संस्थान जैसे राजीकीय महिला बहु–तकनीकी, सिरसा राजकीय प्रबन्ध तथा फार्मेसी संस्थान आदमपुर और अस्पताल इंजनियरिंग संस्थान रोहतक को अगामी वित्त वर्श के दौरान और विकसित करने का प्रस्ताव हैं। वर्श 1987–88 के दौरान तकनीकी ि ाक्षा पर 4.5 करोड़ रूपए खर्च करने की सम्भावना हैं।

## जन–स्वास्थ्य

वर्श 1987–88 के दौरान 330 समस्या गांवो तथा अन्य 20 गावों में जल सप्लाई सुविधांए प्रदान करने के लिए, राज्य योजना के अधीन 25.74 करोड़ रूपए के खर्च का प्रस्ताव हैं। भारत सरकार की और से परिवर्धित ग्रामीण जल सप्लाई कार्यक्रम (Accelerated Rural Water Supply Programme) के अधीन 5.2 करोड़ रूपए की व्यवस्था कराने की संभावना हैं और इसके अन्तर्गत 110 अतिरिक्त समस्या गांवों को पानी पहुंचाने की सम्भावना हैं। इसके अतिरिक्त आगामी वित्त वर्श के दौरान भाहरी

क्षेत्रों में जल सप्लाई तथा निकास सुविधाओं मे सुधार करने के लिए 7.12 करोड़ रूपए की रा ि ा का प्रंस्ताव हैं।

## आवास और नगरीय विकास

आवास बोर्ड, हरियाणा ने अब तक 25000 से अधिक मकानों का निर्माण किया हैं जिनमें से 19000 से अधिक निम्न वर्ग तथा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के लिए है। बोर्ड, किराया स्कीम के अधीन मेवात क्षेत्र में पुलिस कर्मचारियां तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए मकानों का निर्माण कर रहा है। वर्श 1987–88 के दौरान बौर्ड ने 3000 मकान बनाने का प्रस्ताव किया जिनमें से 2000 मकान निम्न आय वर्ग (LIG) समाज के आर्थिक रूप से कमजारे वर्गा के लिए होगे। योजनाबद्ध भाहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण वाणिज्यिक और औद्योगिक प्लाटों के लिए 4000 एकड़ भूमि अर्जित करने तथा विकास भ्रारू करने की योजना है।

## स्थानीय स्वायत भ्रासन

सीानीय निकाय विभाग, भाहरी क्षेत्रों में आधुनिक सुविधांए जुटाने के लिए विभिन्न नगरपालिका समितियों के कार्य मैं तालमेल लाना चाहता हैं वर्श 1987–88 के दौरान इस विभाग के लिए लगभग 2 करोड़ रूपए का खर्च प्रस्तावित हैं। यह खर्च मख्य रूप से संयुक्त राश्ट्र विकास कार्यक्रम के अअधीन जल निकाय तथा मल निकास संकर्मो,कम लागत के सफाई संकर्मो,

भाहरी गन्दी बस्तियों के सुधार तथा कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड को सहायता–प्रदान देने के लिए प्रयोग में लाया जाना प्रस्तावित है।

हरियाणा मं पर्यटन, आर्थिक समृद्धि की ओर हमारे साहसिक, कदम को लाकप्रकय बनाने में एक अग्रदूत की भूमिका निभा रहा हैं। इस भूमिका के अनुसरण में तैराकी सरोवरण सम्मेलन भवन तथा एम्पोरियमों से युक्5त किंगफि ार पर्यटक कम्पलैक्स, अम्बाला का हाल ही में मुख्य मंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया है। बड़खल फरीदाबाद तथा मैना पर्यटन कम्पलैक्स के साथ रिहाय ाी स्थान जोड़ दिए गए हैं। कुरूक्षेत्र में 100 बिस्तरों वाला एक यात्री निवास, मैगपाई मैं रिहाय ाी स्थान और पिपली में युवा होस्टल का निर्माण हो रहा हैं। सूरजकुंड (फरीदाबाद) मं गॉल्फ के मैदान के विस्तार तथा दमदमा (करनाल) और धारूहेड़ा में पर्यटन कम्पलैक्सों के विस्तार तथा दमदमा (गुडगांव) पर्यटक कम्पलैक्स के विकास के लिए भसरत सरकार द्वारा धन स्वीकृत किया गया है। इस प्रकार हरियाणा, सुसज्जित पर्यटक रिहाय ा की व्यवस्था करने के लिए प्रयत्न ाील हैं जिसमें तुलनात्मक रूप से सस्ती दरों पर आधुनिक मनोरंजन सुविधाए उपलब्ध हो। राज्य सरकार ने हरियाणा में पर्यटन को उद्योग घोशित किया हैं ताकि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच स्वथ्थ मुकाबले को बढ़ावा मिले। वर्श 1987–88 के दौरान पर्यटन पर 1.5 करोड़ रूपये की रा ि ा खर्च किए जाने का प्रस्ताव हैं।

**संस्थागत वित्त**

संस्थागत वित्त (Institutional Finance) तथा उधार नियंत्रण विभाग, हरियाण में वाणिज्यिक बौको ंतथा अन्य मियादी उधार दनले वाली संस्थओं द्वारा उधार की व्यवस्था की देखभाल करता है। राज्य सरकार ने वाणिज्यिक तथा क्षेत्रीय गग्रमीण बैकों की नई भाा,ाएं खोलने के लिए राज्य में 252 केन्द्र चुने हें और लाइसेंस देने के लिए उनकी भारतीय रिजर्व बैंक के पास सिफारि ा की है। गरीब से गरीब व्यक्तियों को रिययययती ब्याज की दर पर ध्धार देने का कार्य एक प्रति ात के राश्ट्रीय लक्ष्य के मूकाबले में चालू वित्त वर्श के दौरान राज्य में 1.87 प्रति ात स्तर तक पहुंच गया ह।। इस विभाग का 1987—88 के दौरान भारत सरकार के सहयोग से हरियाणा में स्वतन्त्रता उद्यम कर्मकौ ाल विकास केन्द्र (Center for Enterepreneursheip Development) स्ाापित करने का प्रस्ताव हैं

## श्रम तथा रोजगार

राज्य सरकार मजदूरों तथा मालिकों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देना चाहती है। समूचे तौर पर श्रम विकास विभाग ने चालू वित्त वर्श के दौरान इस उद्दे य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया हैं। हरियाणा में अकु ाल औद्योगिक मजदूर की न्यूनतम मजदूरी 440.50 रूपए प्रतिमास या 16.87 रूपए प्रतिदिन हैं । यह हवभाग राजय के खेती मजदूरों को औद्योगिक मजदूरों से एक रूपया प्रतिदिन अधिक दिलाना चाहता हैं। इस प्रकार, राज्य में न्यूतम मजदूरी पंजाब को छोड़कर, इस क्षेत्र में

अधिकतम हैं। आगामी वित्त वर्श मं ि ा ु केन्द्र सहित एक श्रम कल्याण केन्द्र खोलने का प्रस्ताव हैं। इसके अतिरिक्त 1987–88 के दौरान एक रोजगार केन्द्र के कामकाज को कम्प्यूटर से किए जाने की संभावना हैं।

**समाज कल्याण**

राजय सरकार समाज की अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गो, विमुक्त जातियों और अन्य कमजोर वर्गो के कल्याण को अधिक प्राथमिकता देती हैं। यह उनको छोटी आयु से ही ि ाक्षा के लिए वि ोश प्रोत्साहन देकर उनके विकास की देखभाल करती हैं तथा उसके प चात प्रतिाक्षण और सहायता देती हैं ताकि उन्हें अन्छी नौकरयिो मिल जाएं या वे निजी रोजगार अपना सके। मुफ्त लेखन–सामग्री, मुफ्त–वर्दिया, मैट्रिक से पहले तथा बाद के स्तारों पर छात्र–वृत्तियां, ि ाक्षण फीस की भसरपाई, मिउल त्ति उच्च्तर माध्यमिक स्तरों पर पुस्तक अनुदान तथा अनुसूचित जातियों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गो के बच्चों को वि ोश ि ाक्षण के रूप में बहुत से लाभ दिए जाते हैं। इन प्रोत्साहनों से लाभ उठाने वाल विद्यार्थियों की इस समय 2.04 लाख की संख्या बढ़कर वर्श 1987–88 के दौरान 2.96 लाख हो जाएगी। निजी रोजगार अवसरों की व्यवथा द्वारा समाज के इन वर्गो की वित्तीय स्थिति को ऊंचा उठाने के लिए, हरियाणा हरिजन कल्याण निगम, हरियाणा पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम तथा हरियाणा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा महिला कल्याण निगम महत्वपनूर्ण भूमिका

निभ्ला रहे हैं चालू वर्श के दौरान हरियाणा हरिजन कल्याण निगम तथा हरियाणा पिछड़े वर्गो के 4000 लाभ–ग्रहियों को सहायता प्रदान कर चुके हैं। अनुसूचित जातियो स संबधित विधवाओं की और असहाय तथा विकलांग स्त्रियों की पुत्रियों के विवाह खर्चो को पूरा करने के लिए 2500 रूपए की सहायता जुटाने की नई स्कीम आगामी वर्श से भाुरू किए जाने का प्रस्ताव हैं । वर्श 1987–88 के दौरान अनुसूचित जातियों पिछड़े वर्गो तथा विमुक्त जातियों पर योजना, गैर–योजना तथा केन्द्र संचालित स्कीमों के अधीन7 10.96 करोड़ रूपए की रा ि ा खर्च किये जाने का प्रस्ताव हैं

राज्य सरकार, स्त्रियों तथा बच्चों, वृद्धि तथा अ ाक्त व्यक्तियों और भाारीरिक रूप से विकलांग तथा असहायों के लिए कल्याण स्कीमों पर भी अधिक बल दे रही हैं। समन्वित बाल विकास सेवा स्कीम में अनुपूरक पोशण प्रतिरखण स्वास्थ्य जांच निर्दे ा सेवाएं पोशण तथा स्वास्थ्य ि ाक्षा और पूर्व–विधालय ि ाक्षा की समन्वित रीति में अनेक सेवाओं की व्यवस्था की गई हैं। इस समय राज्य में 40 ग्रामीण तथा 5 भाहरी समन्वित बाल विकास सेवा परियोजनाए हैं। राज्य सरकार का आगामी वित्त वर्श के अन्त तक राज्य के 97 ग्रामीण खण्डों में समन्वित बाल विकास परियोजना स्थापित करने का प्रस्ताव हैं। इस प्रंकार हरियाणा ग्रामीण क्षेत्रों को लगभग व्यापक रूप से समन्वित बाल विकास सेवा के अधीन लाने में दे ाभर में प्रथम राजय होने की

वि ाष्टता प्राप्त कर लेगा। वर्श 1987–88 के दौरान समन्वित बाल विकास सेवा स्कीम के लिए 794800 लाभ–ग्रहियों का लक्ष्य नियत किए जाने का प्रस्ताव हैं। अनाथों तथा असहाय बचें को 30 रूपए प्रतिमास की वित्तीय सहायता पी जाती हैं वर्श 1986–87 के दौरान 5475 लाभ–ग्रहियों को इसके अन्तर्गत लाए जाने की संभावना हैं। वर्श 1987–88 के दौरान 1000 अतिरिक्त लाभ ग्रहियों के अन्तर्गत लाए जाने का प्रस्ताव हैं। आगामी वर्श के दौरान , पांच अबौर कामकाजी महिला होस्टल पूरे किए जोन का प्रस्ताव है। असहाय स्त्रियों तथा विधवाओं को 50 रूपए प्रतिमास की वित्तीय सहायता दी जाती हैं वर्श 1986–87 के दौरान 1000 अतिरिक्त लाभ–ग्रहियों को इसके अन्तर्गत लाए जाने का प्रस्ताव हैं। समााजिक सुरक्ष स्कीम के अधीन 49000 वृद्ध तथा असहाय पुरूश तथा महिला लाभ–ग्रहियो को आगामी वर्श के दोरान 60 रूपए प्रमिास पें ान दिए जाने की संभावना हैं। वर्श 1987–88 के दौरान समाज कल्याण के लिए 965 लाख रूपए का योजना खर्च किए जाने का प्रस्ताव हैं।

**(16.00 बजे)**

राज्य सरकार पिछड़े वर्गो के सदस्यों के विकास को बढ़ावा देने के लिए उन्हें अनेक रियायतें देना चाहती हैं। यह प्रस्तावित किया गया हैं कि जहा किसी ग्रंाम सभा क्षेत्र में पिछड़े वर्गो के सदस्यों की संख्या 2 प्रति ात या अधिक हो, वहां इन वर्गो से संबंधित एक पंच चुनाव या नामजदगी द्वारा नियुक्त किया

जाएगा। इस प्रयोजन के लिए पंजाब ग्रा पंचायत अधिनियम, 1952 को उपयुक्त रूप से सं ाोंधित किया जा रहा हैं इसी प्रकार यदि पिछड़े वर्गो को काई सदस्य पंचायत समिति मं नही चुना जाता, तो पंचायत समिति पिछड़े वर्गो में से एक सदस्य को सहयोजित करेगी। इस प्रयोजन क लिए पंजाब पंचायत समिति अधिनियम, 1961 को उपयुक्त रूप से सं ाधित किया जा रहा हैं इसके अतिरिक्त सरकार ने यह भी प्रस्ताव रखा हैं कि ऐसी भामलात भूमि का 10 प्रति ात, जो ग्राम पंचायत द्वारा पट्टे पर दिया जाता हैं, पिडड़े वर्गो के सदस्यो को पट्टे पर देने के लिएआरिक्षित रखा जाए। यह भी प्रस्तावति किया गया हैं कि ऐसे गांव मं जहाँ पिछड़े वर्गो के सदस्यो से संबंधित घरों की संख्या 50 या उससे अधिक हो, वहा पर पिछड़े वर्गो का एक सदस्य लम्बरदार नियुक्त किया जाए। इसके अतिरिक्त सरकार का वर्श 1987–88 के दौरान पिछडे वर्गो के लिए 100 चौपालें बनाने का भी प्रस्ताव हैं।

## खेलकूद

राज्य सरकार राज्य में खेल–कूद के विकास की ओर वि ोश ध्यान द रही हैं चालू वर्श के दौरान फरीदाबाद मे 30000 द र्काको के लिए अन्तर्राश्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया गया हैं। मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय राई के विद्यार्थियों ने ऐथलेटिक्स, जिम्नास्टिक तथा तैरी में राश्ट्रीय जूनियर स्तर पर लाख रूपए की रा ि ा रखने का प्रस्ताव है। हरियाणा के पहलावानों, ऐथलीटां तथा बालीवाल खिलाडियों ने

सियोल, दक्षिणी कोरियो में, 10 वे एि ायाई खेलों मेंख राज्य की प्रतिश्ठा का चार चांद लगा दिए।

## प्राकृतिक अपदाओं के लिए राहत

वर्श 1986 के पतझड़ मौसम में राजय को वि ेशकरण जिला हसिार, भवानी महेन्द्रगढ़, गुडगांव रोहतक, फरीदाबाद तथा सोनीपत में, अत्यन्त सूखे का सामना करना पड़ा। लोगां को राहत पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा तुरन्त उपाय किए गए। सूखग्रस्त क्षेत्रों को राहत पहंचाने के लिए सरकार द्वारा तुरन्त उपाय किए गए। सूखाग्रस्त क्षेत्रो मे भूमि जोत कर , आबियानप तकाबी तथा सहकारी ऋणें जैसी सरकारी देय रा ि ा की वसूल निलम्बित कर दी गई भारत सरकार ने तत्काल राहत उपाय करने के लिए 17.25 करोड़ की सहायता अतिरिक्त सहायता स्वीकृत की हैं। सड़कों के निर्माण, नहरों से गाद निकालने और अन्य सम्बद्ध निर्माण कार्यो का आरम्भ करके नए रोजगार अवसर पैदा करने पर 3.96 करोड़ रूपए की रा ि ा खर्च की जा रही हैं रासयनिक खाद की सबसिडी देने के लिए 2.5 करोड़ रूपए और बीज सबसिडी तथा बीज तकावी के लिए 1.5 करोड़ रूपए स्वीकृत किए गए हैं। चारे की कमी को पूरा करने के लिए चारा–तकावी बांटी जा रही हैं ओर इस प्रकार दी गई रा ि ा का 25 प्रति ात चारा सबसिडी के रूप में दिया जा रहा हैं। ग्रामीण क्षेत्रो में जल सप्लाई स्कीमों की वृद्धि के लिए 1.16 करेाड़ रूपए खर्च किए जा रहे हैं जिनमें 100 नए नलकूपों खोदना भी भाामिल हैं। दूध पलिाने वाली माताओं

और 6 वर्श की आयु से कम के बच्चों को अनुपूरक पोशाहार देने के लिए 73.73 लाख रूपए की अतिरिक्त रा ि ा स्वीकृत की गई हैं। प ाुओ के लिए पीने का पानी जुटाने के वास्ते 14 लाख रूपए की रा ि ा प्रयोग में लाई जा रही हैं इस प्रकार, सूखा ग्रस्त लोगों के कश्अ दूर करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी गई हैं। वर्श 1987–88 के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए राहत उपाय करने के लिए 4.5 करोड़ रूपए की रा ि ा का प्रस्ताव हैं

## विकेन्द्रित आयोजना

राज्य लोगों की अनुभूत आव यकताओं का निर्धारण करने में विकेन्द्रित आयोजना के प्रभाव ाली महत्व को समझता हैं। आयोजन को नीचे के स्तर तक ले जाने के लिए 1987–88 के दौरान 6 करोड़ रूपए की रा ि ा रखे जाने का प्रस्ताव हैं। इस रा ि ा का 20 प्रति ात हरिजन बस्तियों के विकास –क्रियाकलापों और हरिजन–चौपालों के निर्माण पर खच्र किए जाने का प्रस्ताव हें तथा अन्य 20 प्रति ात ऐसी भाहरी गन्दी बस्तियों में सुधार लाने के लिए प्रस्तावित हैं जिनमें अनुसूचित जातियों तथा अन्य कमजोर वर्गो के लोग रहते हैं। इस प्रकार आयेजना प्रक्रिया को निर्धनो के द्वारा तक पहुंचाया जा रहा हैं।

## 1986–87 के लिए सं ाोधित अनुमान

वर्श 1986–87 के सं ाोधित अनुमानों के अनुसार, बजट में अल्लिखित 0.41 करोड़ रूपए के घाटे की बजाए चालू वित्त वर्श के अन्त में 45.2 करोड़ रूपए के घाटे की संभावना है। घाटे में वृद्धि का मुख्य कारण योजना खर्च में बढ़ती हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड द्वारा कम साणन जुटा पना और गैर योजना खर्च में बढ़ोत्तरी हैं। भारत सरकार से प्राप्त अतिरिक्त केन्द्रीय योजना सहायता के कारणर, वर्श के लिए सं ाोधित योजना खर्च 525 करोड़ रूपए के मूल आंकड़ो कके मुकाबले में बढ़ाकर 569.62 करोड़ रूपए कर दिया गया हैं। योजना–खर्च में यह वृद्धि विकास की गति को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

## 1987–88 के बजट अनुमान वार्शिक योजना

श्रीमान अध्यक्ष महोदय, अब मैं इस गरिमा ाली सदन के सामने 1987–88 के लिए हरियाणा सरकार के बजट अनुमान प्रस्तुत करता हूं। निम्नलिखित तालिका में 1986–87 के सं ाोधित अनुमानों तथा 1987–88 के बजट अनुमानों के फलस्वरूप राज्य की वित्तीय स्थिति का संक्षिप्त विवरण दिया गया हैं:–

| संघटक | बजट अनुमान 1986–87 | सं ाोधित अनुमान 1986–87 | बजट अनुमान 1987–88 |
|---|---|---|---|
| (1) प्रारंभिक | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| भोश (Opening Balance) | | | |
| (क) महालेखाकर के अनुसार | (+) 43.01 | (–) 31.81 | (–) 81.87 |
| (ख) भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार | (–) 0.41 | (+) 4.86 | (–)45.20 |
| (2) राजस्व लेखाः– | | | |
| (i) प्राप्तियां | 1040.14 | 1069.22 | 1275.07 |
| (ii) खर्चे | 907.16 | 979.03 | 1084.34 |
| (iii) अधि ोश | (+) 132.98 | (+)90.19 | 190.73 |
| (3) पूंजीगत खर्च (निबल) | 186.65 | 210.78 | 184.76 |
| (4) सार्वजनिक ऋण (Public Debt):– | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) उपगत ऋण (Debt Incurted) | 749.10 | 721.78 | 184.76 |
| (ii) वापसी भुगतान ( Repayment) | 629.71 | 505.12 | 464.96 |
| निबल | (+) 122.39 | (+)216.71 | 132.52 |
| (5) कर्जे तथा पेि ायाः– | | | |
| (i) पे ागियां | 166.45 | 246.55 | 236.68 |
| (ii) वसूलियां | 30.40 | 25.86 | 35.43 |
| निबल | (–)136.05 | (–)220.69 | (–)201.25 |
| (6) लोक लेखा (Public Account):– | | | |
| (i) अनिधिक ऋण (unfunded | (+)37.41 | (+)37.91 | (+)40.08 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Debr) | | | |
| (ii) निक्षेप (deposits) पे ागिंया तथा अन्य निबल | (+)2.29 | 26.10 | 22.75 |
| (iii) प्रेशण (Remittances) | (+)1.00 | (+)74.51 | (+)73.33 |
| निबल | (+)40.60 | (+)74.51 | (+)73.33 |
| (7) वर्श का अन्तिम भोश (Closing Balance) | | | |
| (क) महालेखाकार के अनुसार | (+)16.28 | (–)81.87 | (–)73.33 |
| (ख) भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार | (–) 27.17 | (–)45.20 | (–)34.63 |

मैं, अब पूर्वोक्त अनुमानों तथा 1987–88 की बजट व्यवस्थाओं के मुख्य लक्षणों का उल्लेख करूंगा। प्रारंभिक बजट अनुमानों के अनुसार बजट में राजस्व प्राप्तियों की 104014 करोड़ रूपए की व्यवस्था थी।

अब यह उल्लेंखनीय है कि राज्य सरकार क अथक प्रयासों के कारण, राजस्व प्राप्तियों के चालू वर्श की समाप्ति तक 1069.22 करोड़ रूपए तक पहुंचने की संभावना हैं। इसके अतिरिक्त 1986–87 के सं ाोधित अनुमानों में 90.19 करोड़ रूपए राजस्व सरपलस होने की संभावना हैं जोकि 1987–88 में 34.63 करोड़ रूपए का दिखाया गया घाटा, गैर–योजना खर्च में किफायत तथा कर राजस्व की बेहतर वसूली द्वारा पूरा किया जाएगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, यह घोशणा करना मेरे लिए बड़े गर्व का विशय है कि इस बजट में समाज के किसी भी वर्ग पर कोई नया कर भार नहीं डाला जा रहा हैं।

यह अत्यधिक संतोश की बात हैं कि 1987–88 के दौरान हमारी योजना लागत 585.75 करोड़ रूपए निर्धारित की गई हैं। बिजली क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि प्रस्तावित की गई हैं। बिजली योजना खर्च 1986–87 में 166.69 करोड़ रूपए से 1987–88 में 195.04 करोड़ रूपए तक होना संभावित हैं जो कि लगभग 17 प्रति ात वृद्धि द ार्ाता हैं। इसके अतिरिक्त, विकास में मानव संसाधनों के अत्यधिक महत्व को ध्यान मं रखत हुए, सामाजिक

सेवाओं पर खर्च 1986–87 में 92.82 करोड़ रूपए से 1987–88 में 113.23 करोड़ रूपए तक लाकर लगभग 22 प्रति ात बढ़ाने का प्रस्ताव हैं। मूझे वि वास हैं कि मेरे सभी साथियों के सहयोग तथा हमारे मुख्य मंत्री के गति ील नेतृत्व से आने वाले वर्श में योजना तथा गैर योजना खर्च के बीच अधिक अनुकूल अनुपात संभव हो जाएगा।

## किसानों को कर रियायतें

राज्य सरकार ने खालों को पक्का करने के खर्च की वसूली के लिए 113 करोड़ रूपए की रा ि ा माफ करने का फेसला किया हैं। इससे कृशि का खर्च कम हो जाएगा और यह हरियाणा के किसानों के लिए वरदान सिद्व होगा।

राज्य सरकार ने राज्य में भू–राजस्व/भूमि जोत कर 15 नवम्बर, 1986 को देय होने वाली किस्त से समाप्त करने काफसला किया हैं इस फेसले के फलस्वरूप, लगभग 5.75 लाख भू–स्वामियों को लाभ होगा।

## व्यापरियों तथा उद्योगपतियों को रियायते

राज्य सरकार, व्यापार तथा उद्योग की उचित मांगों के प्रति जागरूक हैं और उन्हें बहुत सी रियायते दी जानी हैं। राज्य सरकार ने निर्णय किया हैं कि 1000 सी0 सी0 तक की इंजन क्षमता वाली ईधन कु ाल गाडियों पर सामान्य ब्रिक्री कर 10 प्रति ात से घटाकर 6 प्रति ात कर दिया जाए जैसा कि पहले

ईधन कु ाल कारों के मामले में किया गया था। इसी प्रकार ईधन–कु ाल जिप्सी जीपों पर सामान्य बिक्री कर घटाकर 3 प्रति ात किया गया हैं। इसके अतिरिक्त ईधन कु ाल कारों और गाड़ियों पर अन्तर राज्य आधार पर हरियाणा से बाहर बिक्री करने के लिए सहमत हो गया हैं और इससे 10 करोड़ रूपए प्रतिवर्श अतिरिक्त कर प्राप्त होने की आ ाा हैं। अन्य मुख्य रियायतों मं प्रमाणित बीजों पर कर की दर 8 प्रति ात से घटाकर 2 प्रति ात किया गया हं। इसके अतिरिक्त, गेहूं के चोकर, चना छिलका तथा अजवायन के बीजों को बिक्री कर से छूट दे दी गई हैं चूडियों पर भी बिक्री कर माफ कर दिया गया हैं। सिले–सिलाए वस्त्रो पर 4 प्रति ात का समान बिक्री कर लगाया हैं चाहे उनकी लागत कुछ भी हो। टाइप म ाीनों पर बिक्री कर 12 प्रति ात से घटाकर 10 प्रति ात कर दिया गया हैं। लौह तथा अलौह धातुओं के व्यापारियों को अन्तर्राज्यिक बिक्री के संबंध में सी फार्म के बिना पहले से उपलब्ध 4 प्रति ात की दर से रियायत को अब पहली अप्रैल, 1987 से 31 मार्च, 1988 तक बढ़ा दिया गया हैं। इसके अतिरिक्त विक्रय कर की विवरणियां प्रस्तुत करने तथा असके निर्धारण की प्रक्रिया मं महत्वपूर्ण परिवर्तनों को अन्तिम रूप दे दिया गया हैं। राज्य सरकार ने व्यापारी वर्ग को एक बड़ी राहत के रूप में उनके द्वारा छपवाए गए अपने निजी बिक्री कर फार्म संख्या 13,14 तथा 15 का प्रयोग करने की भी अनुमति दे दी हैं। इसके अतिरिक्त यह भी फेसला किया गया हैं कि व्यापारी वर्ग से निकट सम्पर्क बनाए रखने और बिक्री कर के ढांचे को सरल और

युक्तियुक्त बनाने के तरीकों की जांच के लिए एक पराम र्ा–बोर्ड बनाया जाए। इसके अतिरिक्त, संक्षिप्त निर्धारण प्रक्रिया दुकानदारों पर भी लागू की गई हैं चाहे उनके आवर्त की मात्रा कुछ भी हो, परन्तु भार्त यह हैं कि निर्धारिती पिछले वर्श की विवरणियों की तुलना में कम से कम 15 से 20 प्रति ात अधिक कर वृद्धि द र्ाए। इस प्रकार प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने, संपर्क बढ़ाने तथा राज्य के व्यापारियों और उद्योगपतियों को बहुमूल्य कर राहत देने के लिए कदम उठाए गए हैं।

## सेवा निवृत्त और कार्यरत कर्मचारियों को रियायतें

राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए सदा ही उदार दृश्टिकोण अपनाया हैं। पिछले बजट भाशण में दिए गए इस आ वासन के अनुसार कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों के वेतन ढांचे की चौथे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारि ाों के प्रका ा में जाच करना चाहती हैं, राज्य सरकार द्वारा घोशित सं ाोधित वेतनमान हरियाणा सरकार के कर्मचारियों के लिए भी पहली जनवरी, 1986 से लागू किए जांए। वेतनमानों में सं ाोधन के फलस्वरूप पहली जनवरी, 1986 से 31 मार्च 1987 तक का बकाया कर्मचारियों के सामान्य निधि खातों में जमा कर दिया जाएगा। सं ाोधित वेतनमान नि ि चत करने हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक अच्च स्तरीय समिति नियुक्त की गई है।

इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार ने पहले ही प्रथम अप्रैल, 1979 से पूर्व पैं ान प्राप्त करने वालों के लिए 24 सितम्बर, 1985 को, भारत सरकार क्षरा लिए गए निर्णयों के आधार पर, पैं ान फार्मूले को दासद बना दिया था। इस उदार फार्मूले के पिरणामस्वरूप , उन सेवा–निवृत्त व्यक्तियों को पें ान पर जिलकी सेवानिवृत्ति के समय औसत परिलब्धिया (Emoluments) 900 स्नउ मे थी, प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इस कठिनाई को दूर करने के लिए, राजय सरकार ने सेवानिवृत्त व्यक्तियों को 24 सितम्बर, 1985 के आदे ाों के आधार पर अपनी पें ान पाप्त करने हेतु विकल्प देने का निर्णय किया हैं।

इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों को विकल्प देने का नि चय किया हैं कि वे या तो 150 रूपए वार्शिक का नियत चिकित्सा भत्ता ले लें या प्रतिपूर्ति (Tro,nitdr,rmy) के आधार पर बहिरंग मुफ्त चिकित्सा उपचार सुविधा प्राप्त करना जारी रखें, जैसा कि यह पहली मार्च, 1986 से पूर्व विद्यमान थी। इससे राज्य के खजाने पर 91 लाख रूपए का अतिरिक्त भार पड़ने की संभावना हैं।

इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने सरकार ने कर्मचारियों को सामान्य भविश्य निधि में अपनी जमा रा ियों पर ब्याज की दर पहली अप्रैल, 1986 से 9 प्रति ात से बढ़कर 12 प्रति ात करके अधिक बचत के लिए प्रोत्साहन देने का निर्णय किया है। इससे राज्य के खजाने पर 7.95 करोड़ रूपए का अतिरिक्त भार

पड़ने की संभावना है। इस प्रकर राज्य सरकार ने कर्मचारियों का कु ालता स्तर बढ़ाने के लिए उन्हें विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान किए हैं।

## अर्थोपाय स्थिति

खर्च मे अधिक वित्तीय अनु ाासन तथा औचित्य लाने के उद्दे य से, केन्द्रीय सरकार तथा भारतीय रिर्जव बैंक ने ओवर–ड्राफ्ट की वह सुविधा वापस ले ली हैं जिसका उपयोग राज्यों द्वारा अपने आकस्मिक दायित्वों को पूरा करने के लिए किया जाता था। विकास की आव यकतओं के कारण हम पर लगाई गई कठोर सीमाओं के बावजूद, हमने सारा साल अपनी अर्थोपाय स्थिति को सफलतापूर्वक व्यवस्थित किया हैं। राज्य मे उन्नति की गति को तेज करने के लिए वित्तीय देखभाल की प्रक्रिया को अधिक सुचारू बनाया जा रहा है।

भाशण समाप्त करने से पूर्व, मैं वित्त विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों का धन्यवाद करना चाहता हूं। जिन्होनें इन अनुमानों को तैयार करने में बहुमूल्य सहायता दी है। मैं इस संबंध मे सहायता देने के लिए महालेखाकार हरियाणा का तथा दस्तावेजों को समय पर छापने के लिए संघ राज्य–क्षेत्र प्र ाासन तथा हरियाणा मृद्रणालय का भी आभारी हूं।

महोदय, इन भाब्दों के साथ अब मैं वर्श 1987–88 के बजट अनुमान इस गरिमा ाली सदन के विचार तथा अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करता हूं।

जय हिन्द।

**श्री अध्यक्षः** अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए ऐडजर्न किया जाता है।

**(16.09 बजे)**

(तत्प चात् सदन मंगलवार, दिनांक 3–3–1987 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)